■ मार्गशीर्ष कृष्ण - 14 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 126 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 30-11-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 अब जवाबदेही तय करनी होगी, कठोर निर्णय लेने होंगे : खरगे

6 भारत की पहली लंबी दूरी की लैंड अटैक क्रूज मिसाइल

7 'द राणा दग्गुबाती शो' में श्रीलीला ने अपने बॉलीवुड डेब्यू के बारे में दिया बड़ा हिंट

फर्स्ट टेक

आतंकवादी संगठन के दो सहयोगी गिरफ्तार

जम्मू/एजेन्सी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने उधमपुर और डोडा जिलों में आतंकवादी संगठनों के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। एक पुलिस प्रवक्ता ने शुक्रवार को यहां बताया कि आतंक समर्थकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए जम्मू-कश्मीर पुलिस ने उधमपुर जिले में जम्मू-कश्मीर सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत एक कट्टर आतंकवादी सहयोगी को हिरासत में लिया है।

अभिनेता एजाज खान की पत्नी मादक पदार्थ के मामले में गिरफ्तार

मुंबई/भाषा। अभिनेता और टी.वी. शो बिग बॉस में नजर आए एजाज खान की पत्नी फॉलन गुलीवाला (40) को सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों ने मादक पदार्थ के मामले में गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि सीमा शुल्क अधिकारियों ने जोगेश्वरी के पश्चिम उपनगर स्थित गुलीवाला के आवास पर बृहस्पतिवार को छापेमारी की और वहां से 130 ग्राम का मादक पदार्थ बरामद किया। सीमा शुल्क विभाग ने एजाज खान के कार्यालय में काम करने वाले एक चपरासी को कूरियर सेवा के माध्यम से विदेश से 100 ग्राम मेफेड्रन मंगवाने के आरोप में आठ अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। सीमा शुल्क अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच के दौरान गुलीवाला की भूमिका भी सामने आई। उन्होंने बताया कि मामले की जांच जारी है।

महाराष्ट्र के प्रसिद्ध तुलजा भवानी मंदिर की मरम्मत की जाएगी

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। महाराष्ट्र के धाराशिव जिले में प्रसिद्ध तुलजा भवानी मंदिर में मरम्मत और संरक्षण कार्य किया जाएगा, जिसके दौरान परिसर में अनधिकृत निर्माण को गिरा दिया जाएगा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। देवी तुलजा भवानी को समर्पित 12वीं शताब्दी का प्रसिद्ध मंदिर तुलजापुर में स्थित है और राज्य भर से तथा बाहर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां आते हैं। इस संरक्षित मंदिर एवं स्मारक का रखरखाव भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा किया जाता है। धाराशिव के जिलाधिकारी सचिन ओमबासे ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा, ''मंदिर में दो चरणों में मरम्मत और संरक्षण कार्य होगा। इस मरम्मत कार्य के लिए 58 करोड़ रुपए के कार्यादेश जारी किए जा चुके हैं।'' जिलाधिकारी ने कहा, ''मंदिर परिसर में बिना अनुमति के बनाए गए कुछ ढांचों को ध्वस्त किया जाएगा। इस कार्य के लिए दो एजेंसियों को नियुक्त किया गया है। मुख्य पत्थर की संरचना को उसके मूल स्वरूप में लाया जाएगा तथा रिसाव की समस्या को ठीक किया जाएगा।''

मोदी ने देश की छवि खराब करने के लिए विपक्ष की आलोचना करते हुए कहा

जो चौकीदार 2019 में उनके लिए 'चोर' था, वह 2024 आते-आते 'ईमानदार' हो गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विपक्ष का मकसद सिर्फ यही है कि किसी तरह देश की जनता को गुमराह करने के लिए सत्ता पर कब्जा किया जाए, ताकि देश को लूटा जा सके।

भुवनेश्वर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को विपक्षी दलों पर सत्ता हासिल करने के लिए देश को गुमराह करने का आरोप लगाया और कहा कि 'सत्ता के भूखे' ये लोग जनता से सिर्फ झूठ बोलते आए हैं। उन्होंने इस क्रम में साल 2019 के लोकसभा चुनाव में राफेल विमान सौदे में कथित भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस की ओर से चलाए गए 'चौकीदार चोर है' अभियान का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जो 'चौकीदार' 2019 में उनके लिए 'चोर' था, वह साल 2024 आते-आते 'ईमानदार' हो गया और अब वे एक बार भी चौकीदार को चोर नहीं बोल पाते। उन्होंने कहा, इनका (विपक्ष का) मकसद सिर्फ यही है कि किसी तरह देश की जनता को गुमराह करने के लिए सत्ता पर कब्जा किया जाए, ताकि देश को लूटा जा सके। प्रधानमंत्री ने कहा कि लगातार हो रही चुनावी हार ने विपक्षी दलों के भीतर इतना गुस्सा भर दिया है कि वे अब देश के खिलाफ 'साजिश' करने में जुट गए हैं और अपना गुस्सा जनता पर ही निकालने लगे हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओडिशा इकाई की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, उनकी झूठ और अफवाह की दुकान 50-60 साल से चल रही है। अब उन्होंने इस अभियान को और तेज कर दिया है। उन्होंने कहा, इनका मकसद सिर्फ यही है कि किसी तरह देश की जनता को गुमराह करने के लिए सत्ता पर कब्जा किया जाए, ताकि देश को लूटा जा सके।

प्रधानमंत्री ने कहा, सत्ता के भूखे ये लोग जनता से सिर्फ झूठ बोलते आए हैं। जब इनका एक झूठ लोगों पर काम नहीं करता, तो उससे बड़ा दूसरा झूठ ये गढ़ते हैं। ये अपने कार्यकर्ताओं को भी झूठा दिलासा देने के लिए यही करते हैं। उन्होंने विपक्ष के कारनामों को बहुत बड़ी चुनौती करार दिया और देशवासियों से हर पल सतर्क और जागरूक रहने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों ने पार्टी कार्यकर्ताओं में विश्वास भर दिया है और यही भाजपा की विशेषता और उसके कार्यकर्ताओं का सामर्थ्य है। उन्होंने कहा, विपक्षी दल भाजपा सरकार के खिलाफ सुबह शाम दुष्प्रचार करते रहते हैं। लेकिन जनता भाजपा सरकार के कामों को देखकर उन्हें आशीर्वाद देने खुद मैदान में दौड़ पड़ती है।

तत्काल मंत्रिमंडल विस्तार से सिद्दरामय्या ने इनकार किया

नई दिल्ली/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को तत्काल मंत्रिमंडल विस्तार की संभावना को खारिज कर दिया साथ ही संकेत दिया कि पूर्व आदिवासी कल्याण मंत्री बी नागेंद्र को बाद में मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा। सिद्दरामय्या ने संवाददाताओं से कहा, हम अभी ऐसा नहीं कर रहे हैं। इससे राज्य मंत्रिमंडल में संभावित बदलावों के बारे में अटकलों पर विराम लग गया। नागेंद्र को मंत्रिमंडल में शामिल करने के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा, ''हम उन्हें शामिल करेंगे, लेकिन तुरंत नहीं।'' उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने भी दिन में इसी तरह की राय दोहराते हुए कहा कि ''(मंत्रिमंडल विस्तार के लिए) स्थिति अभी नहीं आई है'' और मौजूदा एकमात्र रिक्त स्थान को भरने के बारे में कोई चर्चा नहीं हुई है।

जम्मू-कश्मीर से

आतंकवादियों का सफाया किया जाएगा : सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/एजेन्सी। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को कहा कि आतंकवादी पारिस्थितिकी तंत्र को पूरी तरह से निष्प्रभावी कर दिया जाएगा और प्रदेश से आतंकवादियों का सफाया कर दिया जाएगा।

सिन्हा रियासी जिले के पौनी में आयोजित 'अति विष्णु महायज्ञ' में बोल रहे थे। उन्होंने शहीद सैनिकों और पुलिस कर्मियों को श्रद्धांजलि भी दी और जवानों के महान बलिदान को गर्व के साथ याद करने के लिए पिछले कई वर्षों से 'अति विष्णु महायज्ञ' का आयोजन करने के लिए पूज्य संत श्री बाल योगेश्वर जी महाराज का आभार व्यक्त किया।

उपराज्यपाल ने आतंकवादी पारिस्थितिकी तंत्र को खत्म करने का संकल्प लिया और समाज के हर वर्ग से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने और हमारे भविष्य को सुरक्षित करने के लिए आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में शामिल होने का आह्वान किया।

एसआईटी ने तिरुपति लड्डू में मिलावटी घी के इस्तेमाल के आरोपों की जांच शुरू की

तिरुपति (आंध्र प्रदेश)/भाषा। पांच सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) ने पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान तिरुमला पहाड़ी पर स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में प्रसाद (लड्डू) बनाने में मिलावटी घी के इस्तेमाल के आरोपों की जांच शुरू कर दी है। आंध्र प्रदेश पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

उच्चतम न्यायालय ने तिरुपति लड्डू बनाने में पशु वसा के उपयोग के आरोपों की जांच के लिए एक स्वतंत्र एसआईटी गठित करने का निर्देश दिया था। उसके बाद केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने इस माह के आरंभ में पांच अधिकारियों की एक समिति गठित की। समिति में दो अधिकारी इस केंद्रीय एजेंसी से, दो आंध्र प्रदेश पुलिस से और एक भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) से हैं। आंध्र प्रदेश के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी एवं एसआईटी सदस्य सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी ने कहा, जांच शुरू हो गई है। उन्होंने इससे ज्यादा कुछ नहीं बताया।

ईडी ने 2,800 करोड़ के चिटफंड घोटाले में पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को कहा कि उसने कथित तौर पर 2,800 करोड़ रुपए के चिटफंड घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में कोलकाता में एक व्यक्ति और उसके बेटे को गिरफ्तार किया है। एक बयान में कहा गया कि विशेष धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत ने प्रयाग ग्रुप ऑफ कंपनीज के प्रवर्तक बासुदेब बागची और उनके बेटे अविक बागची को दस दिनों की ईडी हिरासत में भेज दिया।

न्यायालय ने संभल मस्जिद विवाद में निचली अदालत की कार्यवाही रोकी

उच्चतम न्यायालय ने सरकार से शांति बनाए रखने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को संभल की एक निचली अदालत को उत्तर प्रदेश के चंदौसी स्थित मुगलकालीन शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण मामले में कार्यवाही रोकने का आदेश दिया वहीं राज्य सरकार को हिंसा प्रभावित शहर में शांति एवं सद्भाव बनाए रखने को कहा।

गत 19 नवंबर को संभल के दीवानी न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन) की अदालत ने हिंदू पक्ष की याचिका पर गौर करने के बाद 'एडवोकेट कमिश्नर' से मस्जिद का सर्वेक्षण कराने का एकपक्षीय आदेश पारित किया था। याचिका में दावा किया गया था कि मस्जिद का निर्माण मुगल शासक बाबर ने 1526 में एक मंदिर को ध्वस्त करने के बाद कराया था।

मामले में निचली अदालत के आदेश के बाद, 24 नवंबर को इलाके में हुई हिंसा में चार लोगों की जान चली गई थी।

प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने शुक्रवार को निर्देश दिया कि ''शांति एवं सद्भाव बनाए रखा जाए'' और राज्य प्रशासन की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) के.एम. नटराज द्वारा इस सिलसिले में दिए गए बयान पर गौर किया। पीठ ने निर्देश दिया कि मस्जिद सर्वेक्षण के बाद 'एडवोकेट कमिश्नर' द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट को सीलबंद कर दिया जाए तथा मस्जिद समिति की अपील पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय सहित अपीलीय अदालत द्वारा सुनवाई किए जाने तक इसे नहीं खोला जाए।

न्यायालय ने कहा, दीवानी न्यायाधीश, याचिकाकर्ता द्वारा दायर की जाने वाली पुनरीक्षण याचिका/अपील उच्च न्यायालय या उपयुक्त अदालत के समक्ष सूचीबद्ध किए जाने तक मामले पर आगे नहीं बढ़ेंगे। एडवोकेट कमिश्नर ने यदि कोई रिपोर्ट सौंपी है तो उसे एक सीलबंद लिफाफे में रखा जाए और खोला नहीं जाए। वाद में आगे की कोई भी कार्यवाही उच्च न्यायालय/उपयुक्त अदालत द्वारा पारित आदेश पर निर्भर करेगी।

शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया कि सर्वेक्षण आदेश के खिलाफ शाही जामा मस्जिद समिति द्वारा दायर याचिका को तीन कार्य दिवस के भीतर इलाहाबाद उच्च न्यायालय या किसी अन्य उपयुक्त मंच के समक्ष सूचीबद्ध किया जाए।

आदेश में कहा गया है, हमारा मानना है कि याचिकाकर्ता (मस्जिद समिति, संभल) को 19 नवंबर 2024 के आदेश को दीवानी प्रक्रिया संहिता 1908 और भारत का संविधान सहित, उपयुक्त अदालत/मंच पर कानून के अनुसार चुनौती देनी चाहिए। इस बीच, शांति और सद्भाव बनाए रखा जाना चाहिए।

मंदिरों में प्रसादः

न्यायालय ने गुणवत्ता संबंधी याचिका पर विचार करने से इनकार किया

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने मंदिरों में बांटे जाने वाले प्रसाद की गुणवत्ता पर नियमन की मांग करने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए शुक्रवार को कहा यह मामला सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 26 नवंबर को कहा था कि कार्यपालिका अपनी सीमा के भीतर अपने कार्य का निर्वहन कर रही है। पीठ ने कहा, हम वर्तमान याचिका पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं क्योंकि याचिका में की गई प्रार्थना सरकार के नीति क्षेत्र के अंतर्गत आती है।

अश्लील सामग्री से जुड़े धनशोधन मामले में

ईडी ने राज कुंद्रा, अन्य के परिसरों पर छापे मारे

मुंबई/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अश्लील (पॉर्नोग्राफी) और वयस्क फिल्मों के कथित वितरण से जुड़े एक धनशोधन मामले की जांच के सिलसिले में अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति एवं कारोबारी राज कुंद्रा तथा कुछ अन्य लोगों के परिसरों पर शुक्रवार को छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि मुंबई और उत्तर प्रदेश के कुछ शहरों में करीब 15 स्थानों पर छापे मारे जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिन स्थानों पर छापे मारे जा रहे हैं उनमें 49 वर्षीय कुंद्रा और कुछ अन्य व्यक्तियों के आवास एवं कार्यालय भी शामिल हैं। ऐसा माना जा रहा है कि ईडी इनमें से एक परिसर में कुंद्रा से पूछताछ कर रही है। शिल्पा शेट्टी के वकील प्रशांत पाटिल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि यह कार्रवाई अभिनेत्री के खिलाफ नहीं है और कुंद्रा सच्चाई सामने लाने के लिए जांच में सहयोग कर रहे हैं। धनशोधन का यह मई, 2022 का मामला कुंद्रा और अन्य के खिलाफ मुंबई पुलिस द्वारा दर्ज की गयी कम से कम दो प्राथमिकी और आरोपपत्र पर आधारित है।

भारत ने बांग्लादेश से सभी अल्पसंख्यकों की रक्षा करने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने बांग्लादेश में उग्र बयानबाजी और हिंसा की बढ़ती घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए शुक्रवार को कहा कि अंतरिम सरकार को सभी अल्पसंख्यकों की रक्षा की अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। भारत ने यह भी आशा व्यक्त की कि बांग्लादेश में राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार हिंदू नेता चिन्मय कृष्ण दास से संबंधित मामले को न्यायसंगत, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से निपटाया जाएगा।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संसद को बताया कि भारत ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं को गंभीरता से लिया है और अल्पसंख्यकों सहित सभी नागरिकों के जीवन और स्वतंत्रता की रक्षा करना बांग्लादेश की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

अगस्त में बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के बीच शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफे के बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के सत्ता में आने के बाद भारत और बांग्लादेश के बीच संबंधों में तनाव पैदा हो गया है। भारत उस देश में अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं पर हमलों को लेकर चिंता व्यक्त करता रहा है।

जयशंकर ने कहा, ''अल्पसंख्यकों सहित बांग्लादेश के सभी नागरिकों के जीवन और स्वतंत्रता की रक्षा की प्राथमिक जिम्मेदारी बांग्लादेश सरकार की है।'' उन्होंने कहा कि ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों से संबंधित स्थिति पर ''बारीकी से'' नजर रख रहा है।

विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश से अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए सभी कदम उठाने का आह्वान किया और उम्मीद जताई कि गिरफ्तार चिन्मय कृष्ण दास से जुड़े मामले को न्यायसंगत, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से निपटाया जाएगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ने बांग्लादेश सरकार के समक्ष हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ खतरों और ''लक्षित हमलों'' का मुद्दा लगातार और दृढ़ता से उठाया है। उन्होंने कहा, ''इस मामले पर हमारा रुख स्पष्ट है।

बांग्लादेश ने गिरफ्तार हिंदू नेता सहित 17 लोगों के बैंक खातों से लेन-देन पर लगाई रोक

ढाका/भाषा। बांग्लादेश के वित्तीय अधिकारियों ने इस्कॉन के पूर्व सदस्य चिन्मय कृष्ण दास सहित इस धार्मिक संस्था से संबद्ध 17 लोगों के बैंक खातों से लेन-देन पर 30 दिन के लिए रोक लगाने का आदेश दिया है। मीडिया में शुक्रवार को आई खबर में यह जानकारी दी गई। दास को राजद्रोह के आरोप में इस हफ्ते की शुरुआत में गिरफ्तार कर लिया गया था। 'प्रथम आलो' अखबार की खबर के मुताबिक, बांग्लादेश वित्तीय खुफिया इकाई (बीएफआईयू) ने विभिन्न बैंकों और वित्तीय संस्थानों को बृहस्पतिवार को ये निर्देश जारी करते हुए इन खातों से सभी तरह के लेन-देन पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी। बांग्लादेश के केंद्रीय बैंक के तहत आने वाली बीएफआईयू ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों से इन खातों से संबंधित जानकारी तीन कार्य दिवस में भेजने को कहा है।

पाकिस्तान बुशरा बीबी को गिरफ्तार करने के लिए कर रहा प्रयास

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान में अधिकारी 19 करोड़ पाउंड के कथित भ्रष्टाचार मामले में अदालत में पेश नहीं होने पर जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी को गिरफ्तार करने के लिए जोर आजमाइश कर रहे हैं। 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' के मुताबिक जवाबदेही अदालत द्वारा 22 नवंबर को सुनाए गए फैसले के बाद सख्ती की जा रही है। बुशरा के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किए गए थे, क्योंकि वह लगातार आठ सुनवाई में अनुपस्थित रही थीं। न्यायाधीश नासिर जावेद राणा ने अदालत में पेश होने से छूट देने की उनकी याचिका खारिज कर दी। अधिकारियों ने बताया कि निर्देश के बाद राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने रावलपिंडी की अपनी टीम से बुशरा बीबी को गिरफ्तार करने को कहा, जो खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की प्रांतीय राजधानी पेशावर में रह रही हैं। खैबर पख्तूनख्वा में खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ सत्ता में है।

चैंपियंस ट्रॉफी : पीसीबी को 'हाइब्रिड मॉडल' मंजूर नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/कराची/भाषा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के कार्यकारी बोर्ड की चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम को लेकर बुलाई गई आपात बैठक में कोई सहमति नहीं बन पाई क्योंकि पाकिस्तान 'हाइब्रिड मॉडल' में इस प्रतियोगिता की मेजबानी नहीं करना चाहता है। बैठक शनिवार को फिर से होगी।

बैठक संक्षिप्त रही क्योंकि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने स्पष्ट किया कि भारतीय टीम को पाकिस्तान दौरे के लिए अपनी सरकार से मंजूरी नहीं मिलने के बावजूद उन्हें 'हाइब्रिड मॉडल' मंजूर नहीं है। हाइब्रिड मॉडल के अनुसार भारतीय टीम प्रतियोगिता के अपने मैच किसी अन्य स्थान पर खेलती।

पाकिस्तान के कुर्रम में जारी सांप्रदायिक हिंसा में अब तक 122 लोगों की मौत

पेशावर/भाषा। पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिम क्षेत्र के कुर्रम जिले के विभिन्न हिस्सों में सुन्नी और शिया समुदायों के बीच संघर्ष विराम के बावजूद गोलीबारी की ताजा घटना में दो लोगों के मारे जाने के बाद अब तक इस हिंसा में मरने वालों की संख्या बढ़कर 122 हो गई है। पुलिस और अस्पताल के अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सुन्नी और शिया समुदायों के बीच पिछले सप्ताह हिंसा शुरू हुई थी और संघर्ष विराम होने के बावजूद उनके बीच अब तक मामूली झड़पें जारी हैं। दोनों समुदायों के बीच बृहस्पतिवार को फिर गोलीबारी हुई, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई जबकि छह व्यक्ति घायल हो गए। जिसके बाद राज्यपाल फैसल करीम कुंडी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री अली अमीन गंदापुर को अशांत क्षेत्र का दौरा करने के लिए कहा।

सूर्यास्त	सूर्योदय
30-11-2024 5:51 बजे	01-12-2024 6:26 बजे

BSE	NSE
79,802.79 (+759.05)	24,131.10 (+216.95)

सोना	चांदी
7,981 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	90,517 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सियासी गठबंधन

कैसे मेंढ़क तुले तराजू,
पड़ा अक्ल पर सबके कोड़ा।
टांग खेंचते इक दूजे की,
चले अढ़ाई घर ज्यूं घोड़ा।
गिद्ध भोज में जुटे जीमने,
भुक्कड़ कोई ज्यादा-थोड़ा।
लगे सियासी गठबंधन यूं,
भानुमती ने कुनबा जोड़ा।।

गोवा के सभी सरकारी कार्यालयों में अगले 45 दिनों में यौन उत्पीड़न समितियां होंगी : मुख्यमंत्री सावंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने शुक्रवार को कहा कि राज्य के सभी सरकारी कार्यालयों में अगले डेढ़ महीने के भीतर पॉश (कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध एवं निवारण) अधिनियम) के तहत महिला कर्मचारियों की शिकायतों की जांच के लिए समितियां होंगी।

मडगांव में 'पॉश' पर एक 'ओरिएंटेशन कार्यक्रम' को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि समितियों के गठन के बाद उनके सदस्यों को उनकी भूमिकाओं के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी आश्चर्य व्यक्त किया कि कुछ मौजूदा समितियों में पुरुष सदस्य हैं।

सावंत ने कहा कि उन्होंने मुख्य सचिव को एक परिपत्र जारी करने का आदेश दिया है, जिसमें सभी सरकारी कार्यालयों और सहायता प्राप्त स्कूलों को 'पॉश' के तहत यौन उत्पीड़न पर एक आंतरिक समिति गठित करने का निर्देश दिया जाए।

उन्होंने कहा कि दस से अधिक कर्मचारियों वाले निजी कार्यालयों में यौन उत्पीड़न पर एक आंतरिक समिति भी होनी चाहिए, जो कामकाजी महिलाओं को ''सुरक्षित वातावरण'' सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा, मुझे हैरानी हुई कि मौजूदा आंतरिक समितियों में से कुछ में पुरुष कर्मचारी सदस्य हैं। अगर वही पुरुष सदस्य यौन उत्पीड़न में शामिल हो तो क्या होगा?''

महाराष्ट्रः सरकारी बस पलटने से 11 यात्रियों की मौत, 25 घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोंदिया/भाषा। महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में शुक्रवार दोपहर महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) की बस पलट जाने से कम से कम 11 यात्रियों की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि 'शिव शाही' नाम से सेवा प्रदान करने वाली एमएसआरटीसी की बस 36 यात्रियों को लेकर भंडारा से गोंदिया जिले की ओर जा रही थी, लेकिन सड़क अर्जुनी तालुका के खजरी गांव में अचानक सामने आए दोपहिया वाहन से टकराने से बचने के लिए चालक ने ब्रेक लगाया जिससे बस पलट गई। उन्होंने बताया कि दोपहर करीब साढ़े 12 बजे हुई इस दुर्घटना में 11 यात्रियों की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि घायल यात्रियों को अस्पताल ले जाया गया है। उन्होंने कहा कि 11 मृतकों में से अब तक नौ की पहचान हो चुकी है, जबकि 50 वर्षीय दो अन्य की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

पुलिस ने बताया कि मृतकों में 32 वर्षीय एक महिला पुलिसकर्मी भी शामिल है, जिसकी पहचान जिले के अर्जुनी मोरगांव की स्मिता विक्की सूर्यवंशी के रूप में हुई है। उनके पति पुलिस विभाग में काम करते थे और कुछ साल पहले किसी बीमारी के कारण उनका निधन हो गया। उन्हें अनुकंपा के आधार पर विभाग में नौकरी दी गई थी और वर्तमान में वह गोंदिया में पुलिस मुख्यालय में तैनात थीं। पुलिस ने बताया कि वह अपने ससुराल वालों और एक बेटे के साथ रहती थीं और अपने परिवार से मिलने के बाद ड्यूटी पर लौट रही थीं।

पुलिस और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने दुर्घटनास्थल का दौरा किया। कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दुर्घटना में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों के लिए 10-10 लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की।

प्रशांत विहार में धमाके के एक दिन बाद निजी स्कूल को मिली बम से उड़ाने की धमकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के रोहिणी के एक निजी स्कूल को शुक्रवार को बम विस्फोट की धमकी का ईमेल मिला। यह स्कूल प्रशांत विहार के उस स्थल के एक किलोमीटर दायरे में है जहां बृहस्पतिवार को कम तीव्रता का धमाका हुआ था। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि स्कूल परिसर में गहन तलाशी के बाद धमकी महज अफवाह साबित हुई। एक अधिकारी के अनुसार, 'वेंकटेश्वर ग्लोबल स्कूल' (वीजीएस) को सुबह 10 बजकर 57 मिनट पर आए बम विस्फोट की धमकी के ईमेल को लेकर दिल्ली पुलिस को जानकारी मिली। स्कूल उस जगह से लगभग एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जहां बृहस्पतिवार को कम तीव्रता का धमाका हुआ था। अधिकारी ने बताया कि दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस, बम निरोधक दस्ता, खोजी कुत्तों का दस्ता और डीएफएस के कर्मचारियों ने स्कूल के पूरे परिसर की जांच की और तलाशी अभियान चलाया।

अधिकारी ने बताया कि कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली और धमकी अफवाह साबित हुई। स्कूल अधिकारियों ने सूचना जारी कर अभिभावकों को सुबह 11 बजे तक अपने बच्चों को स्कूल से ले जाने का अनुरोध किया था। स्कूल की ओर से अभिभावकों को भेजे गए संदेश में कहा गया है, स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

देश में चिकित्सक और जनसंख्या का अनुपात विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक से बेहतर : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने शुक्रवार को लोकसभा को बताया कि देश में 811 लोगों के लिए एक चिकित्सक की उपलब्धता है जो विश्व स्वास्थ्य संगठन के 1:1000 के मानक अनुपात से बेहतर है। उन्होंने सदन में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, नवंबर 2024 की स्थिति के अनुसार राज्य चिकित्सा परिषदों और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के साथ 13,86,145 एलोपैथिक डॉक्टर पंजीकृत हैं।

नड्डा ने कहा, पंजीकृत एलोपैथिक डॉक्टरों की 80 प्रतिशत उपलब्धता और लगभग 6.14 लाख आयुष डॉक्टरों की संख्या को देखते हुए देश में चिकित्सक-जनसंख्या का अनुपात लगभग 1:811 है, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन के 1:1000 के मानक से बेहतर है। उन्होंने कहा कि सरकार ने मेडिकल कॉलेजों की संख्या में वृद्धि की है और इसके बाद एमबीबीएस सीटों में भी वृद्धि की है। मंत्री ने कहा कि 2014 में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 387 थी जिसमें 102 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और अब इनकी संख्या 780 हो गई है। उन्होंने कहा कि एमबीबीएस सीटों में 2014 से पहले से लेकर अब तक 130 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

कांग्रेस को चुनावों में अपने खराब प्रदर्शन पर आत्मचिंतन करना चाहिए : चव्हाण

छत्रपति संभाजीनगर (महाराष्ट्र)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सदस्य अशोक चव्हाण ने शुक्रवार को कांग्रेस में अपने पूर्व सहयोगियों पर निशाना साधा और कहा कि पार्टी को हाल के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अपने खराब प्रदर्शन के बारे में आत्मचिंतन करना चाहिए। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री चव्हाण इस साल की शुरुआत में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। अशोक चव्हाण की बेटी श्रीजया चव्हाण ने नांदेड़ जिले की भोकर सीट से 20 नवंबर को हुए विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की थी। उन्होंने कहा, जब मैं राज्य का नेतृत्व (मुख्यमंत्री) कर रहा था, तो पार्टी ने (2009 में) 82 सीट जीती थीं। मेरे बाद, पृथ्वीराज चव्हाण (2010 से 2014 तक मुख्यमंत्री) इसे घटाकर 44 पर ले आए और नाना पटोले (फरवरी 2021 से प्रदेश इकाई प्रमुख) अब इसे घटाकर 16 (2024 के विधानसभा चुनावों में) कर चुके हैं। आंकड़े हमारे सामने हैं। उन्होंने कहा, राजनीति में जीतना एक प्रक्रिया है, इसलिए कांग्रेस को आत्मचिंतन करना चाहिए। चव्हाण ने कहा कि वह अपनी पूर्व पार्टी को सलाह नहीं दे रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा, मैं 14 साल तक वनवास में रहा (मुख्यमंत्री पद से हटाए जाने का परोक्ष रूप से संदर्भ)...मेरी भी भावनाएं हैं। पृथ्वीराज चव्हाण को मुख्यमंत्री बनाए जाने से पहले अशोक चव्हाण दिसंबर 2008 से नवंबर 2010 के बीच मुख्यमंत्री थे। अशोक चव्हाण 2015 से 2019 के बीच महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष थे। वह इस साल फरवरी में भाजपा में शामिल हुए थे।

छत्तीसगढ़ में फिल्म सिटी और सांस्कृतिक केंद्र बनाए जाएंगे

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले में फिल्म सिटी तथा जनजातीय एवं सांस्कृतिक सम्मेलन केंद्र का निर्माण कराया जाएगा जिस पर 147.66 करोड़ रुपए की लागत आएगी। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि केंद्र सरकार ने पूंजीगत निवेश हेतु राज्यों को विशेष सहायता 2024-25 के तहत राज्य की दो महत्वपूर्ण पर्यटन परियोजनाओं के लिए 147.66 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की है। उन्होंने बताया कि इसके अंतर्गत नवा रायपुर के माना तूता में 95.79 करोड़ रुपए की लागत से चित्रोत्पला फिल्म सिटी तथा 51.87 करोड़ रुपए की लागत से जनजातीय एवं सांस्कृतिक सम्मेलन केंद्र का निर्माण किया जाएगा।

माना जाता है कि प्राचीन काल में महानदी का नाम चित्रोत्पला था। महानदी का उद्गम छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में स्थित सिहावा पर्वत से हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ में इन परियोजनाओं के शुरू होने से राज्य में पर्यटन ढांचे को मजबूत करने और स्थानीय संस्कृति को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि ये योजनाएं रोजगार सृजन, विकास तथा छत्तीसगढ़ को पर्यटन के वैश्विक मानचित्र में स्थापित करने में सहायक सिद्ध होंगी। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य ने केंद्रीय पर्यटन मंत्री से 15 अक्टूबर को नई दिल्ली में मुलाकात कर राज्य की पर्यटन गतिविधियों के बारे में जानकारी दी थी और पूंजीगत निवेश हेतु राज्यों को विशेष सहायता योजना के तहत राजधानी रायपुर में फिल्म सिटी, सम्मेलन केंद्र, रिजॉर्ट और 'नेचर सिटी' के लिए लगभग 300 करोड़ रुपए के प्रस्ताव पेश किए थे।

सिंगापुर और हांगकांग में भारतीय मसालों को प्रतिबंधित नहीं किया गया : जाधव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने शुक्रवार को लोकसभा को बताया कि वाणिज्य मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार सिंगापुर एवं हांगकांग जैसे देशों ने भारतीय मसालों पर प्रतिबंध नहीं लगाया है।

जाधव ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि हालांकि, पहले भारत से निर्यातित कुछ मसाला मिश्रणों के विशिष्ट बैचों को हांगकांग और सिंगापुर में खाद्य सुरक्षा प्राधिकारियों ने स्वीकार्य सीमा से अधिक एथलीन ऑक्साइड (ईटीओ) की उपस्थिति के कारण हटा दिया था। उन्होंने कहा कि वाणिज्य मंत्रालय के मसाला बोर्ड ने विभिन्न कदम उठाए हैं, जिसमें इन गंतव्यों को निर्यात किए जा रहे मसालों की अनिवार्य प्री-शिपमेंट जांच, सभी चरणों में संभावित ईटीओ संदूषण को रोकने के लिए निर्यातकों द्वारा पालन किए जाने वाले व्यापक दिशानिर्देश जारी करना शामिल है।

जाधव ने कहा कि विभिन्न उपायों में आयात करने वाले देश की अलग-अलग ईटीओ सीमाओं को पूरा करने के लिए कच्चे माल की खरीद, प्रसंस्करण, पैकिंग, भंडारण, परिवहन आदि भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) देश भर में उपभोक्ताओं को सुरक्षित खाद्य उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

अक्टूबर में उद्योगों को बैंक ऋण 8% बढ़ाः आरबीआई आंकड़े

मुंबई/भाषा। वाणिज्यिक बैंकों ने अक्टूबर 2024 में उद्योगों को सालाना आधार पर आठ प्रतिशत अधिक ऋण दिया, जबकि एक साल पहले इसी माह में यह वृद्धि 4.8 प्रतिशत थी। शुक्रवार को जारी आरबीआई के आंकड़ों से यह जानकारी मिली। रिजर्व बैंक के आंकड़ों से पता चला कि कृषि और संबद्ध गतिविधियों के लिए ऋण अक्टूबर 2024 में सालाना आधार पर 15.5% बढ़ा। इसमें पिछले साल इसी महीने में 17.4% की वृद्धि हुई थी।

प्रमुख उद्योगों में, रसायन और रासायनिक उत्पाद, पेट्रोलियम, कोयला उत्पाद और परमाणु ईंधन' तथा 'इंजीनियरिंग' के लिए एक साल पहले के मुकाबले अक्टूबर 2024 में ऋण वृद्धि अधिक रही। अक्टूबर में व्यक्तिगत ऋणों की वृद्धि दर घटकर 15.8 प्रतिशत रह गई, जबकि एक साल पहले यह 18 प्रतिशत थी। ऐसा मुख्य रूप से 'अन्य व्यक्तिगत ऋण, वाहन ऋण' और 'क्रेडिट कार्ड बकाया' की वृद्धि में कमी के चलते हुआ। समीक्षाधीन अवधि में व्यक्तिगत ऋण खंड के सबसे बड़े घटक 'आवास' में पिछले साल की तुलना में वृद्धि दर्ज की गई। आरबीआई ने कहा कि सेवा क्षेत्र में ऋण वृद्धि अक्टूबर 2024 में 14.1 प्रतिशत (एक साल पहले 20.4 प्रतिशत) थी।

केजरीवाल ने दिल्ली में कानून व्यवस्था की गिरती स्थिति को लेकर केंद्र पर हमला बोला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब होने का हवाला देते हुए भारतीय जनता पार्टी नीत केंद्र सरकार पर हमला बोला और आरोप लगाया कि राष्ट्रीय राजधानी को 'गैंगस्टरों' द्वारा चलाया जा रहा है।

केजरीवाल ने विधानसभा सत्र के दौरान कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर केंद्र को घेरा। इससे पहले, विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल ने विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता को सदन से बाहर निकाल दिया, जिन्होंने चर्चा के दौरान केजरीवाल पर हमला बोला। गुप्ता को निष्कासित किए जाने के बाद भाजपा के बाकी विधायक भी सदन से बाहर चले गए। 'अपराध के बढ़ते मामले और कानून व्यवस्था की स्थिति' पर चर्चा के दौरान केजरीवाल ने दिल्लीवासियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, रोजाना खुलेआम गोलीबारी हो रही है। ऐसा लगता है कि दिल्ली को गिरोह चला रहे हैं। उन्होंने कहा, कारोबारी जबरन वसूली के कॉल के डर में रहते हैं, जिसके बाद उनकी दुकानों या शोरूम पर हिंसक हमले होते हैं। केजरीवाल ने कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की गतिविधियों पर भी सवाल उठाए, जो कथित तौर पर दिल्ली और उसके बाहर जबरन वसूली का धंधा संचालित कर रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार से जवाबदेही की मांग करते हुए पूछा, लॉरेंस बिश्नोई कौन है और क्या उसे भाजपा का संरक्षण प्राप्त है? अन्यथा, वह कैसे ये जबरन वसूली गिरोह चला रहा है?'' आप नेता ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर अपनी जिम्मेदारियों की अनदेखी करने का आरोप लगाया और कहा दिल्ली के निवासियों का अधिकारियों पर से भरोसा उठ रहा है। अमित शाह को जाग जाना चाहिए, अन्यथा दिल्ली के लोगों के पास सुरक्षा की गुहार लगाने के लिए कोई नहीं बचेगा।

जीएसटी को सरल बनाने, उपकर कम करने की जरूरतः पूर्व सीईए सुब्रमण्यन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) अरविंद सुब्रमण्यन ने शुक्रवार को कहा कि भारत की जीएसटी व्यवस्था बहुत जटिल है और 2017 में शुरू किए गए इस सबसे बड़े अप्रत्यक्ष कर सुधार को सरल बनाने की जरूरत है। उन्होंने यहां सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कहा, जीएसटी व्यवस्था बहुत जटिल है। इसमें 50 (विभिन्न) उपकर दरें हैं और यदि मैं अन्य चीजों पर गौर करूं तो यह 100 दरों तक जा सकती है। अन्य चुनौतियों के बारे में बात करते हुए सुब्रमण्यन ने कहा कि कुछ लोगों ने मुझे बताया है कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) ने अत्यधिक कर मांग को बढ़ावा दिया है।

भारत का लक्ष्य दुनिया का सबसे कुशल, भरोसेमंद व्यापारिक केंद्र बनना : राजस्व सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि भारत का लक्ष्य अधिकृत आर्थिक परिचालकों (एईओ) की भागीदारी का विस्तार करके, एकीकृत मुक्त क्षेत्रों और अभिनव नीतियों को बढ़ावा देते हुए दुनिया का सबसे कुशल और विश्वसनीय व्यापारिक केंद्र बनना है।

मल्होत्रा ने यहां वैश्विक एईओ सम्मेलन में समापन भाषण देते हुए कहा, हमारा लक्ष्य व्यापारिक सुविधा और वैश्विक संपर्क में नए मानक स्थापित करना है। उन्होंने आगे कहा कि प्रौद्योगिकी और विश्वास राजस्व विभाग के दो स्तंभ हैं। मल्होत्रा ने कहा कि भारत प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर प्रशासन, दोनों में प्रौद्योगिकी को अपना रहा है। अपील, रिफंड और भुगतान सहित अधिकांश सेवाएं ऑनलाइन हैं। उन्होंने कहा, वास्तव में हम हर साल आयात और निर्यात के अरबों बिल बनाते हैं। प्रौद्योगिकी की मदद के बिना ऐसा संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत का लक्ष्य अपने सभी बंदरगाहों को स्वचालित बनाना है। इसी तरह, उन्होंने कहा, अब हमारा प्रयास है कि सभी बंदरगाहों पर सभी सेवाएं हर समय ऑनलाइन और इलेक्ट्रॉनिक रूप में उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि 20 प्रमुख बंदरगाहों में से 17 पूरी तरह से स्वचालित हैं। पिछले वर्षों में एईओ कार्यक्रम का विस्तार करना विश्वास-आधारित रणनीति का हिस्सा रहा है।

जांच में 90 दवाओं के नमूने मानक गुणवत्ता के नहीं पाए गए

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने अक्टूबर में केंद्रीय दवा प्रयोगशालाओं में परीक्षण किए गए 56 दवा नमूनों को मानक गुणवत्ता के अनुरूप नहीं (एनएसक्यू) पाया गया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इसके अलावा, राज्य दवा नियामकों द्वारा परीक्षण किए गए 34 दवा नमूनों की भी एनएसक्यू के रूप में पहचान की गई है। बिहार औषधि नियंत्रण प्राधिकरण द्वारा अक्टूबर में एकत्र किए गए तीन दवा नमूनों की पहचान नकली के रूप में की गई है। इन्हें किसी अन्य कंपनी के स्वामित्व वाले ब्रांड नाम का उपयोग करके अनधिकृत और अज्ञात निर्माताओं द्वारा निर्मित किया गया था। मामले की जांच शुरू कर दी है। इसमें कहा है, एनएसक्यू और नकली दवाओं की पहचान करने की यह कार्रवाई राज्य नियामकों के सहयोग से नियमित आधार पर की जाती है।

भारत में धर्मनिरपेक्षता की नींव हिल रही : महबूबा मुफ्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ को उनके 'खराब फैसले' के लिए जिम्मेदार ठहराया और दावा किया कि इस फैसले के कारण मस्जिदों में तलाशी ली गई है और यह देश को विभाजन की ओर धकेल सकता है, क्योंकि धर्मनिरपेक्षता की नींव हिल रही है।

जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि ये कार्रवाइयां विकास और नौकरियों जैसे मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए विभाजनकारी विषयों की ओर ले जा रही हैं। मुफ्ती ने यहां संवाददाताओं से कहा, मैं कहना चाहती हूं कि हमारे पूर्व प्रधान न्यायाधीशों में से एक ने ज्ञानवापी मस्जिद के संबंध में फैसला देकर इस देश के लिए बहुत बुरा काम किया है जो शिकायत करने पर कार्रवाई की अनुमति देता है। उन्होंने कहा, यह देश को विभाजन की ओर ले जाएगा। यह हमें रक्तपात की ओर ले जा रहा है, जैसा कि हमने उत्तर प्रदेश में कुछ घटनाओं में देखा, जहां अराजकता में चार-पांच निर्दोष लोग फंस गए।

सभी धार्मिक स्थलों की यथास्थिति बनाए रखने के उच्चतम न्यायालय के पिछले फैसले का हवाला देते हुए मुफ्ती ने कहा, यह 1991 के उच्चतम न्यायालय के फैसले के बावजूद है, जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया था कि सभी धार्मिक स्थलों की स्थिति, जैसी 1947 में थी (चाहे वे मंदिर हों या मस्जिद) में बदलाव नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, दुर्भाग्यवश, पूर्व प्रधान न्यायाधीश ने एक ऐसा फैसला सुनाया है, जिसके कारण ऐसी स्थिति पैदा हो गई है कि हर मस्जिद में शिवलिंग की खोज की जा रही है। यह हस्तक्षेप अजमेर शरीफ जैसे पवित्र मुस्लिम स्थलों तक भी पहुंच गया है, जो हिंदुओं के लिए भी महत्वपूर्ण है।

पीडीपी प्रमुख ने कहा कि अजमेर शरीफ में प्रार्थना करने और आशीर्वाद लेने के लिए मुसलमानों की तुलना में अधिक हिंदू जाते हैं। उन्होंने कहा, यह दरगाह 800 साल से भी अधिक पुरानी है। अगर यह सिलसिला जारी रहा तो मुझे डर है कि वे जल्द ही मुस्लिम घरों की तलाशी लेना शुरू कर देंगे।

दिल्ली के मुनिरका में वेश्यावृत्ति गिरोह का भंडाफोड़, पांच महिलाओं को बचाया गया

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के दक्षिण-पश्चिम हिस्से में वेश्यावृत्ति के एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पांच महिलाओं को बचाया गया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इस मामले में 45 वर्षीय एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। वह दलाल का काम करती थी। उन्होंने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने सबूत जुटाने के लिए फर्जी ग्राहकों का इस्तेमाल किया और 26 नवंबर को मुनिरका गांव में रामा बाजार के पीछे एक घर में छापेमारी कर वेश्यावृत्ति गिरोह का भंडाफोड़ किया। अधिकारी ने बताया कि आरोपी महिला को फर्जी ग्राहक से दो हजार रुपए लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि इस गिरोह से बचाई गई सभी महिलाओं की उम्र 24 से 36 वर्ष के बीच है और वे पश्चिम बंगाल की रहने वाली हैं। अधिकारी ने बताया कि इस गिरोह में शामिल अन्य लोगों का पता लगाने के लिए मामले की जांच की जा रही है।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों को पनाह देने वालों को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे : एडीजीपी

जम्मू/भाषा। जम्मू जोन के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) आनंद जैन ने चेतावनी दी है कि राष्ट्र विरोधी इरादे रखने वाले या आतंकवादियों का समर्थन करने वाले लोगों को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

जैन ने नागरिकों से आग्रह किया कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि का पता लगने पर उसकी सूचना देकर कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग करें। जैन ने कहा, राष्ट्र विरोधी इरादे रखने वालों या आतंकवादियों को किसी भी प्रकार की सहायता प्रदान करने वालों को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने कहा कि नागरिकों को सतर्क रहना चाहिए और किसी भी संदिग्ध गतिविधि का पता लगने पर उसकी सूचना देकर कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग करना चाहिए। जैन ने आतंकवादियों के पारिस्थितिकी तंत्र और नेटवर्क पर नकेल कस कर क्षेत्र की शांति को बरकरार रखने के जम्मू-कश्मीर पुलिस के संकल्प को व्यक्त किया और आतंकवादी गतिविधियों में शामिल लोगों की संपत्तियों को कुर्क करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि 29 फरार आतंकवादियों की संपत्तियों की पहचान की गई है।

सिद्दरामय्या ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की

प्रधानमंत्री से दो सिंचाई परियोजनाओं के लिए तत्काल मंजूरी मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शुक्रवार को मुलाकात कर अल्पावधि कृषि ऋण सीमा में सुधार, 10,000 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता और मेकेदातु संतुलन जलाशय एवं कलसा बंडूरी परियोजनाओं के लिए तत्काल मंजूरी दिए जाने का अनुरोध किया। संसद परिसर में हुई बैठक में सिद्दरामय्या ने कृषि, जल संसाधन और शहरी बुनियादी ढांचे सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए कई प्रमुख मामलों में हस्तक्षेप किए जाने पर जोर दिया।

बैठक में मुख्यमंत्री के साथ उपमुख्यमंत्री एवं सिंचाई मंत्री डी के शिवकुमार, ऊर्जा मंत्री केजे जॉर्ज और शहरी विकास मंत्री बैयरती सुरेश भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि नाबार्ड (राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक) ने कर्नाटक के लिए अल्पकालिक कृषि ऋण सीमा में भारी कटौती की है जो 2023-24 में 5,600 करोड़ रुपये से घटकर 2024-25 में केवल 2,340 करोड़ रुपये रह गई है। उन्होंने कहा कि 58 प्रतिशत की इस कटौती से किसानों की सस्ते कर्ज तक पहुंच गंभीर रूप से प्रभावित हो सकती है।

सिद्दरामय्या ने प्रधानमंत्री को दिए ज्ञापन में कहा, ''मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि आप इस पर गौर करें और वित्त मंत्रालय को इस स्थिति को सुधारने का निर्देश दें ताकि कर्नाटक में किसानों को रियायती दर पर सस्ता कृषि ऋण मिलता रहे।'' उन्होंने अपर भद्रा परियोजना के लिए 5,300 करोड़ रुपये दिए जाने का अनुरोध किया। इस परियोजना का उद्देश्य मध्य कर्नाटक के सूखाग्रस्त कृषि भूमि की सिंचाई करना है। यह परियोजना 2023-24 के केंद्रीय बजट के बाद से लंबित है। उन्होंने दो महत्वपूर्ण जल परियोजनाओं 'कावेरी नदी पर मेकेदातु संतुलन जलाशय और महादयी नदी पर कलसा बंडूरी परियोजना' को अनुमति देने पर भी जोर दिया। दोनों ही परियोजनाओं के लिए जल शक्ति और पर्यावरण मंत्रालयों की अनुमति की प्रतीक्षा की जा रही है। सिद्दरामय्या ने प्रौद्योगिकी के केंद्र और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में शीर्ष योगदान देने वाले के रूप में बेंगलुरु की स्थिति को रेखांकित करते हुए शहरी और सार्वजनिक परिवहन के लिए विशेष सहायता का अनुरोध किया। इसके अतिरिक्त, कर्नाटक ने 13 उभरते नगर निगमों में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 10,000 करोड़ रुपए दिए जाने का आग्रह किया। राजकोषीय आवंटन के मामले में मुख्यमंत्री ने 15वें वित्त आयोग से प्रतिकूल सौदा मिलने की शिकायत की, जिसके तहत इसके कर हिस्से को एक प्रतिशत कम कर दिया है। सिद्दरामय्या ने सरकार से मुआवजा अनुदान प्रदान करने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि भविष्य के वित्त आयोग कर में उल्लेखनीय योगदान देने वाले वाले राज्यों को दंडित न करें।

अवैध आधार कार्ड बनाते हुए एक गिरफ्तार

बेंगलूरु। बांग्लादेशियों को नकली दस्तावेजों के आधार पर आधार कार्ड, पेन कार्ड और अन्य सरकारी प्रपत्र बनाने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। इसके लिए वह बड़ी राशि लोगों से लेता था।

शहर के बन्नरघट्टा रोड स्थित सूर्य सिटी पुलिस थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक साइबर सेन्टर पर छापा मारकर अरनाद मंडल नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यह व्यक्ति बांग्लादेश और नेपाल मूल के लोगों को नकली अग्रीमेंट, नकली प्रपत्र के माध्यम से पैन कार्ड और आधार कार्ड बनाकर देता रहा। प्रत्येक कार्ड के लिए 10 हजार रुपए तक लोगों से लेता रहा।

सूर्या सिटी में एक साइबर सेन्टर चलाने वाले मंडल के पास से पुलिस को कई नकली आधार कार्ड, 40 बैंक प्रपत्र और 55 आधार कार्ड आदि बरामद किए हैं।

नया कदम

नई दिल्ली में शुक्रवार को कर्नाटक सरकार के विशेष प्रतिनिधि टीबी जयचंद्र ने नई दिल्ली में कौटिल्य मार्ग पर स्थित नए कर्नाटक भवन का दौरा किया, जिसका निर्माण लगभग अंतिम चरण में है। चित्र में लोक निर्माण विभाग के सहायक कार्यकारी अभियंता अनंत और सहायक अभियंता सरथ कुमार भी दिखाई दे रहे हैं।

'दिव्यांगजनों के लिए फंड में कोई कटौती नहीं की गई'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और कर्नाटक सरकार में महिला एवं बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने शुक्रवार को स्पष्ट कर दिया कि दिव्यांगजनों के लिए जारी किए गए फंड में कोई कटौती नहीं की गई है। इसके बावजूद अगर कोई दावा करता है कि फंड में कटौती हुई है, तो मैं खुद इस संबंध में जानकारी जुटाऊंगी। दरअसल, पत्रकारों ने मीडिया रिपोर्ट का हवाला देकर मंत्री से यह सवाल किया था कि दिव्यांगजनों के फंड में कटौती की गई है। लेकिन, उन्होंने इन रिपोर्ट्स की विश्वसनीयता को सिरे से खारिज कर दिया।

उन्होंने पत्रकारों को आश्वस्त किया कि ऐसा नहीं सकता है। हमने

किसी भी फंड में कोई कटौती नहीं की है। हमारी हमेशा से ही कोशिश रही है कि सभी को समान फंड मिले, ताकि कल्याण की दिशा में कदम उठाते समय किसी भी प्रकार की दिक्कत ना हो। वहीं, हाल ही में भाजपा ने दावा किया था कि कर्नाटक सरकार ने सारा पैसा गारंटियों में खर्च कर दिया है, इसलिए अब कल्याणकारी योजनाओं को क्रियान्वित करने की दिशा में कोई पैसा वर्तमान में सरकार के पास नहीं है। इस पर मंत्री ने कहा, इस संबंध में भाजपा को किसी भी प्रकार का सवाल करने का कोई नैतिक हक नहीं है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने हमारे 'कर्नाटक मॉडल' को कॉपी किया है। उन्होंने कहा, पिछले महीने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में हमारी पार्टी ने महिलाओं को 2,500 रुपये देने का ऐलान किया था। वर्तमान में हम कर्नाटक में 'गृह लक्ष्मी योजना' के तहत 2 हजार रुपये देते हैं। भाजपा ने हमारे द्वारा कर्नाटक में लागू की गई सभी गारंटियों को कॉपी किया है।

उन्होंने भाजपा द्वारा किए जा रहे दावों को निराधार बताते हुए कहा, हमारे पास गारंटियों के साथ-साथ विकास कार्यों के लिए भी पर्याप्त पैसा है। हमारे पास पैसों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा, अब तक कर्नाटक में ना ही विकास कार्य रुका है और ना ही आगे रुकेगा।

वोक्कलिगा मठ के प्रमुख से मिले आर. अशोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां शुक्रवार को विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने विश्व वोक्कालिगा महासंस्थान मठ के प्रमुख कुमार चन्द्रशेखरनाथ स्वामीजी से मुलाकात की। इस मौके पर पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं विधायक डॉ. अश्वत्थनारायण आदि उपस्थित थे। अशोक ने इस मौके पर कहा कि अगर स्वामीजी को सरकार छूने की कोशिश करेगी तो पूरा वोक्कलिगा समुदाय चुप नहीं बैठेगा। उन्होंने सरकार से सवाल किए कि विधानसभा में पाकिस्तान समर्थित नारे लगाने वालों पर सरकार ने क्या कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा से हिन्दुओं के लिए खड़ी रहेगी। अगर स्वामीजी को परेशान किया गया तो भाजपा सड़कों पर उतरेगी और संघर्ष करेगी। गौरतलब है कि मुसलमानों को ''मताधिकार से वंचित करने संबंधी'' टिप्पणी को लेकर विश्व वोक्कालिगा महासमस्थान मठ के महंत कुमार चंद्रशेखरनाथ स्वामीजी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। महंत ने यह बयान कर्नाटक वक्फ बोर्ड के नोटिस के खिलाफ भारतीय किसान संघ द्वारा मंगलवार को यहां आयोजित एक सभा के दौरान दिया था।

एक ही परिवार के तीन सदस्यों की निर्मम हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपुर। तिरुपुर के एक गांव में शुक्रवार को एक बुजुर्ग, उनकी पत्नी और बेटे की उनके घर में घुसकर अज्ञात लोगों ने हत्या कर दी। हत्यारों का पता लगाने के लिए पुलिस की कई टीम गठित की गई हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गंभीर रूप से घायल 78 वर्षीय देवसिगामनी ने अस्पताल में दम तोड़ा, जबकि उनकी पत्नी अलामेलु (75) और बेटे सेंथिलकुमार (46) सेवलाई गौंदेनपुदुर गांव में घर के अंदर मृत मिले। उसने बताया कि घर से सोने के आठ आभूषण चोरी हुए हैं।

पुलिस के अनुसार, सेंथिलकुमार अपनी पत्नी और सात तथा 12 वर्ष के बच्चों के साथ कोयंबटूर में रहते थे। उसने बताया कि वह 28 नवंबर की रात को एक रिश्तेदार की शादी के सिलसिले में अपने माता-पिता के घर आये थे। पुलिस की एक

वरिष्ठ अधिकारी ने संवाददाताओं को बताया कि अपराध में धारदार हथियारों का इस्तेमाल किया गया और ग्रामीणों ने इस घटना के बारे में सूचित किया। जांच के लिए चार से पांच टीम बनाई गई हैं और पूरे राज्य में वाहनों की जांच तेज कर दी गई है। उन्होंने कहा, ''हम जल्द ही हत्यारों को पकड़ लेंगे।'' उन्होंने कहा कि हत्याओं में एक से अधिक लोगों के संलिप्त होने का शक है।

सेंथिलकुमार की पत्नी ने अपराधियों को सजा दिलाने के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की और कहा कि जब उनके पति सो रहे थे उस समय हमला किया गया और उनकी हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा कि अगर हत्यारों को जल्दी नहीं पकड़ा गया तो यह पुलिस के लिए शर्मनाक होगा।

हमसफर ट्रेनों का अस्थायी विस्तार

चेन्नई। दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार उत्तर पश्चिम रेलवे ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए निम्नलिखित ट्रेनों में अस्थायी वृद्धि की अधिसूचना जारी की है। ट्रेन संख्या 22497 / 22498 श्री गंगानगर-तिरुचिरापल्ली-श्री गंगानगर हमसफर एक्सप्रेस का अस्थायी विस्तार किया गया है। 02 से 30 दिसम्बर तक श्री गंगानगर से चलने वाली ट्रेन संख्या 22497 श्री गंगानगर-तिरुचिरापल्ली हमसफर एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त एसी थ्री टियर कोच जोड़ा जाएगा। 6 दिसंबर से 03 जनवरी तक तिरुचिरापल्ली से रवाना होने वाली ट्रेन संख्या 22498 तिरुचिरापल्ली-श्री गंगानगर हमसफर एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त एसी थ्री टियर कोच जोड़ा जाएगा। ट्रेन संख्या 20481/20482 जोधपुर-तिरुचिरापल्ली-जोधपुर हमसफर एक्सप्रेस का अस्थायी विस्तार किया जा रहा है।

भाजपा ने राज्यपाल की जगह मुख्यमंत्री को विश्वविद्यालय का कुलाधिपति बनाने की आलोचना की

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज(आरडीपीआर) विश्वविद्यालय का कुलाधिपति राज्यपाल के स्थान पर मुख्यमंत्री को बनाने संबंधी राज्य सरकार के कदम की विपक्षी भाजपा ने शुक्रवार को आलोचना की। प्रदेश भाजपा प्रमुख विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा कि राज्यपाल की शक्तियों में कटौती करना संवैधानिक प्रणाली के साथ छेड़छाड़ है।

कर्नाटक मंत्रिमंडल ने बृहस्पतिवार को एक विधेयक को मंजूरी दी, जिसके अनुसार गडाग स्थित आरडीपीआर विश्वविद्यालय में राज्यपाल की जगह मुख्यमंत्री को कुलाधिपति नियुक्त किया जाएगा। राज्यपाल थावरचंद गहलोत कर्नाटक के सभी सरकारी विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति हैं। विजयेंद्र ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, शिक्षा में राजनीति को नहीं लाने के नेक इरादे के साथ और संविधान की भावना के अनुरूप, राज्यपाल राज्य के संवैधानिक प्रमुख होने के नाते विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति हैं। लेकिन अपनी मौजूदा शक्तियों का दुरुपयोग कर कई भ्रष्टाचार में लिप्त (मुख्यमंत्री) सिद्दरामय्या नीत सरकार उच्चतर शिक्षा प्रणाली को दूषित करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का यह कदम ग्रामीण विकास अध्ययन के क्षेत्र में अनावश्यक ''राजनीतिक हस्तक्षेप'' का मार्ग प्रशस्त करेगा।

इससे पहले सितंबर में मंत्रिमंडल ने कलबुर्गी में हुई एक बैठक में आरडीपीआर विश्वविद्यालय के कुलपति को नियुक्त करने की शक्ति हथियाने की कोशिश की थी। कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच के पाटिल ने बृहस्पतिवार को सरकार के कदम का बचाव करते हुए कहा था, यह प्रणाली गुजरात और अरुणाचल प्रदेश सहित कई राज्यों में मौजूद है।

ट्रेन में कपूर जलाने से बचें यात्री

चेन्नई। दक्षिण रेलवे ने एक विज्ञप्ति जारी करते हुए सबरी माला तीर्थ यात्रा में जाने वाले रेल यात्रियों से अपील की है कि दक्षिण रेलवे के चेन्नई डिवीजन के सभी रेल उपयोगकर्ताओं कृपा ट्रेनों में कपूर जलाने से बचें। यह देखा गया है कि कुछ यात्री अपनी यात्रा के दौरान कपूर जलाते हैं, जिससे आग लगने का खतरा काफी बढ़ जाता है। रेल उपयोगकर्ताओं और रेलवे संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, कपूर या कोई अन्य खुली लौ/आग जलाना उचित है। ट्रेनों में और स्टेशन परिसर में इसका प्रयोग सख्त वर्जित है। ज्वलनशील और विस्फोटक वस्तुओं के साथ यात्रा करते या उनके कब्जे में पाए जाने वाले यात्रियों को रेलवे अधिनियम 1989 की धारा 67, 164 और 165 के तहत दंडित किया जा सकता है। इसमें 1000 रुपये तक का जुर्माना या तीन साल तक की कैद या दोनों शामिल हैं, और देयता नुकसान/चोट/क्षति के लिए। यात्रियों से आग्रह है कि वे सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने में रेलवे अधिकारियों के साथ सहयोग करें।

मुसलमानों को मताधिकार न देने संबंधी टिप्पणी पर कर्नाटक के महंत के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

बेंगलूरु। मुसलमानों को ''मताधिकार से वंचित करने संबंधी'' टिप्पणी को लेकर विश्व वोक्कालिगा महासमस्तन मठ के महंत कुमार चंद्रशेखरनाथ स्वामीजी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। महंत ने यह बयान कर्नाटक वक्फ बोर्ड के नोटिस के खिलाफ भारतीय किसान संघ द्वारा मंगलवार को यहां आयोजित एक सभा के दौरान दिया था।

स्वामीजी ने किसानों और उनकी जमीन की रक्षा के लिए सभी से एकजुट होने का आग्रह करते हुए कथित तौर पर कहा था कि ऐसा कानून लाया जाना चाहिए जिसमें मुस्लिम समुदाय को मतदान का अधिकार न हो। उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि कोई वक्फ बोर्ड न हो। उन्होंने कहा कि किसी दूसरे की जमीन छीनना ''धर्म'' नहीं है।

स्वामीजी ने कथित तौर पर कहा था, ''...किसानों के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ सभी को लड़ना चाहिए... ऐसा कहा जाता है कि वक्फ बोर्ड किसी की भी जमीन पर दावा कर सकता है। यह बहुत बड़ा अन्याय है... किसी और की जमीन छीनना धर्म नहीं है... इसलिए सभी को यह सुनिश्चित करने के लिए लड़ना चाहिए कि किसानों की जमीन उनके पास ही रहे।'' बहरहाल, स्वामीजी ने अपने बयान पर बुधवार को खेद व्यक्त करते हुए कहा था कि उनकी जुबान फिसल गई थी। महंत ने कहा था कि मुसलमान भी इस देश के नागरिक हैं और उन्हें भी अन्य लोगों की तरह मताधिकार प्राप्त है। पुलिस ने बताया कि एक सामाजिक कार्यकर्ता की शिकायत के आधार पर यहां उप्परपेट पुलिस थाने में बुधवार को महंत खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, ''हमने उनके (स्वामीजी) खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 299 (जानबूझकर किया गया और दुर्भावनापूर्ण कृत्य, जिसका उद्देश्य किसी वर्ग के धर्म या धार्मिक विश्वासों का अपमान करके उसकी धार्मिक भावनाओं को आहत करना है) के तहत मामला दर्ज किया है।''

अरुणाचल प्रदेश के मंत्री ने आईसीएआर-आईआईएचआर का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अरुणाचल प्रदेश सरकार के कृषि, बागवानी, पशुपालन और पशु चिकित्सा, डेयरी विकास, मत्स्य पालन, खाद्य और नागरिक आपूर्ति, कानूनी मेट्रोलॉजी और उपभोक्ता मामले मंत्री गेब्रियल डेनवांग वांगसू और उनके प्रतिनिधिमंडल ने बागवानी में चल रहे अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार कार्य को देखने के लिए 28 नवंबर को आईसीएआर-आईआईएचआर का दौरा किया है। प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न सुविधाओं जैसे फल फसल नर्सरी इकाई, खाद्य सुरक्षा प्रयोगशाला, फाइटोसैनिटरी प्रमाणन इकाई, मशरूम इकाई, बीज इकाई और बेस्टहॉर्ट सुविधाओं का दौरा किया है।

बाद में, हाइब्रिड मोड में एक औपचारिक बैठक बुलाई गई और अरुणाचल प्रदेश सरकार के जिला स्तरीय बागवानी अधिकारियों को जोड़ा गया। आईसीएआर-आईआईएचआर के निदेशक डॉ टीके बेहरा ने मंत्री और अन्य प्रतिनिधियों का स्वागत किया और देश भर में बागवानी में अनुसंधान और विकास के लिए आईसीएआर-आईआईएचआर के योगदान के बारे में बात की।

पीएमई के नोडल अधिकारी डॉ ई. श्रीनिवास राव ने आईसीएआर-आईआईएचआर की अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार गतिविधियों और आईआईएचआर प्रौद्योगिकियों के प्रभावों का अवलोकन दिया।

अरुणाचल प्रदेश सरकार की सचिव (बागवानी) कोज तिन्या, आईएफएस ने आईआईएचआर से अपेक्षाओं के बारे में बात की, खास तौर पर टिशू कल्चर यूनिट की स्थापना, क्षमता निर्माण, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और प्रदर्शन के बारे में चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने फलों पर एआईसीआरपी के परियोजना समन्वयक डॉ. प्रकाश पाटिल, विभागाध्यक्ष डॉ. एस. श्रीराम, डॉ. एचसी प्रसन्ना, डॉ. एम. शंकरन, डॉ. पी. नवीन कुमार, डॉ. बसव प्रभु पाटिल, डॉ. आरबी तिवारी, डॉ. टीआर रूपा और प्रधान वैज्ञानिक और बीईएसएसटीएचओआरटी के सीईओ डॉ. धनजेया से बातचीत की।

अरुणाचल प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री ने आईसीएआर-आईआईएचआर की शोध, शिक्षा और विस्तार गतिविधियों की सराहना की और उन्होंने अरुणाचल प्रदेश में अर्का आईआईएचआर किस्मों के प्रदर्शन पर भी प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने बुनियादी ढांचे की स्थापना, बीज आपूर्ति, ऊतक संवर्धन इकाई, मूल्य संवर्धन और बागवानी फसलों के विपणन के लिए आईसीएआर-आईआईएचआर और अरुणाचल प्रदेश सरकार के साथ मजबूत सहयोग का आश्वासन भी दिया।

बधाई

बेंगलूरु/नई दिल्ली। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की और बातचीत की। सिद्दरामय्या ने संसद में विपक्ष के नेता के कार्यालय में राहुल गांधी से मुलाकात की। इस बीच, सिद्दरामय्या ने वायनाड निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा के लिए चुनी गईं प्रियंका गांधी को बधाई दी। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने तीन विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस की जीत पर सिद्दरामय्या को बधाई दी।

राज्यपाल बागड़े ने बिरसा मुंडा के अवदान को याद किया, कहा आदिवासी लोगों की शिक्षा और कल्याण के लिए मिलकर करें कार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शुक्रवार को जवाहर कला केंद्र के शिल्प ग्राम में जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार, ट्राइफेड और नगर निगम ग्रेटर द्वारा आयोजित आदि महोत्सव का शुभारम्भ किया। उन्होंने इस अवसर पर महोत्सव में देशभर के राज्यों से भाग लेने वाले शिल्पकारों, कलाकारों का अभिनंदन करते हुए आम जन से आह्वान किया कि दैनिक जीवन में जनजातीय उत्पादों का अधिकाधिक उपयोग किया जाए।

बागड़े ने समारोह में बिरसा मुंडा की स्मृति को नमन करते हुए कहा कि वह अंग्रेजों से ही नहीं लड़े बल्कि आदिवासी क्षेत्रों में निरंतर जागरूकता का कार्य किया। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर 2021 से प्रतिवर्ष हमारे यहां 15 नवंबर को जनजाति गौरव दिवस मनाया जाता है। यह दिवस जनजातीय परंपराओं को सहेजने, उनके विकास और उनके समग्र कल्याण को समर्पित है।

राज्यपाल ने आदिवासी परंपराओं के संरक्षण पर जोर देते हुए प्रकृति पोषण से जुड़े उनके कार्य अपनाए जाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने जनजातियों के समग्र विकास के लिये उनसे जुड़े क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर उनके आजीविका के अधिकाधिक अवसर प्रदान करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने बताया कि राजस्थान में आदिवासी जनसंख्या 13 से साढ़े 13 प्रतिशत है। इनकी शिक्षा के अवसरों में वृद्धि के साथ युवाओं को कौशल विकास के लिए कार्य हों। उन्होंने कहा कि देश की गरीबी तभी कम होगी जब राष्ट्र के बच्चे पढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के स्तर पर भीख मांगने वाले नहीं पढ़ने वाले सौ परिवारों को चिह्नित कर स्कूल भेजे जाने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने आम जन से भी आह्वान किया कि वे जनजातीय शिक्षा से वंचित बच्चों के बारे में जानकारी दें और उनको शिक्षा प्रयासों में सहयोग करें।

बागड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने जनजाति दिवस पर 'जनजातीय न्याय महाअभियानजनमन की देश में शुरूआत की है। जनजाति परिवारों और बस्तियों को बुनियादी सुविधाओं से लाभान्वित करने के अंतर्गत इस योजना में 24 हजार करोड़ रुपए के कार्य प्रारंभ किए गए है। उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा ' धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' प्रारंभ करने की चर्चा करते हुए कहा कि जनजातीय आबादी के लिए समान अवसरों का सृजन, सामाजिक-आर्थिक स्तर का विकास, बुनियादी ढांचे का सुधार और स्वास्थ्य, शिक्षा तथा आजीविका के क्षेत्र में ठोस कार्य किए जाएं।

जनजातीय मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने जनजातीय कलाकारों की उत्पादित सामग्री के प्रदर्शन के अधिकाधिक अवसर दिए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आदिवासी उत्पाद देशभर को समझने की दृष्टि देते हैं। नगर निगम ग्रेटर की महापौर डा. सौम्या गुर्जर ने आदि महोत्सव को वोकल फोर लोकल मुहिम को आगे बढ़ाने वाला बताया। आरम्भ में ट्राइफेड के क्षेत्रीय प्रबंधक संदीप शर्मा ने सभी का स्वागत किया।

बाबर और औरंगजेब ने मंदिरों को तोड़कर मस्जिदें बनाईं : दिलावर

जयपुर। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने शुक्रवार को कहा कि मुगल शासक बाबर और औरंगजेब ने मंदिरों को तोड़कर मस्जिदें बनवाई थीं। उन्होंने कहा कि अगर अदालत खुदाई का आदेश देती है तो खुदाई में मिलने वाले अवशेषों के आधार पर फैसला होगा। दिलावर का यह बयान अजमेर स्थित सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह शिव मंदिर के ऊपर बने होने के दावे से संबंधित विवाद के बीच आया। दरगाह में शिव मंदिर होने का दावा करते हुए एक वाद अजमेर की स्थानीय अदालत में दायर किया गया था। अदालत ने बुधवार को वाद को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया और अजमेर दरगाह समिति, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई), दिल्ली को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इस बारे में पूछे जाने पर दिलावर ने कोटा में मीडिया से कहा, मुझे कुछ नहीं कहना न्यायालय निर्णय करेगा। उन्होंने कहा, यह तो सच है कि अधिकांशत: मंदिरों को तोड़कर औरंगजेब ने, बाबर ने... इन्होंने मस्जिदें बनाई थीं। जांच होगी, जांच में अगर अदालत आदेश देती है कि खुदाई करो, तो खुदाई करने पर जो इसके अवशेष मिलेंगे उससे निर्णय हो जाएगा।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राठौड़ को जान से मारने की धमकी मिली

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष मदन राठौड़ को एक अज्ञात व्यक्ति ने शुक्रवार को फोन कर कथित तौर पर जान से मारने की धमकी दी। राठौड़ ने यह जानकारी दी। इस मामले की जानकारी पुलिस को दी गई है। राज्यसभा सदस्य राठौड़ को जब धमकी मिली वह दिल्ली में थे। उन्होंने एक कॉल आने पर जैसे ही फोन उठाया, दूसरी तरफ से व्यक्ति ने उन्हें गालियां देते हुए धमकी दी कि वह उन्हें गोली मार देगा। राठौर ने दिल्ली से पीटीआई-भाषा को बताया, एक व्यक्ति ने मुझे फोन किया और गोली मारने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि मामले की जानकारी पुलिस को दे दी गई है। अधिकारियों के अनुसार घटना के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा के प्रदेश प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल और कई अन्य नेताओं ने राठौड़ को फोन कर घटना की जानकारी ली।

फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 6.2 डिग्री सेल्सियस रहा

जयपुर। राजस्थान के फतेहपुर में बीती रात न्यूनतम तापमान 6.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार बीते चौबीस घंटे में राज्य में मौसम सामान्य तौर पर शुष्क रहा। इसके अनुसार बीती रात सबसे कम तापमान सीकर के फतेहपुर में 6.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा पिलानी में 7.5 डिग्री, चूरू में 8.6 डिग्री, भीलवाड़ा में 9.1 डिग्री, जयपुर में 9.3 डिग्री, संगरिया में 9.5 डिग्री, अलवर में 9.6 डिग्री और चित्तौड़गढ़ में 9.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार अजमेर और सिरोही में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। राज्य में सर्वाधिक अधिकतम तापमान बाड़मेर में 32.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

नाबालिग लड़की से बलात्कार के दोषी को 20 साल की जेल

कोटा। राजस्थान के कोटा में पॉक्सो अदालत ने तीन साल पहले आठ साल की बच्ची का अपहरण कर उसके साथ बलात्कार करने के जुर्म में 22 वर्षीय युवक को बृहस्पतिवार को 20 साल के कारावास की सजा सुनाई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अदालत ने दोषी पर 1.10 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अदालत संख्या-2 के लोक अभियोजक विजय कछावा ने बताया कि कोटा की रेलवे कॉलोनी थाना क्षेत्र के तहत भदाना निवासी बंटी बैरवा (22) को तीन दिसंबर 2021 को आठ वर्षीय बालिका को खाने-पीने का सामान देने के बहाने अपने कमरे में ले जाकर दुष्कर्म करने के जुर्म में सजा सुनाई गई है। कछावा ने बताया कि बच्ची के माता-पिता ने उसी दिन रेलवे कॉलोनी पुलिस थाने में बैरवा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। सरकारी वकील ने बताया कि पुलिस ने उसी दिन बैरवा को गिरफ्तार किया था।

वासुदेव देवनानी ने किया राजस्थान की अर्थव्यवस्था को नया आकार देने का आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने प्रबंधन से जुड़े युवाओं का आव्हान किया है कि वे राजस्थान की अर्थव्यवस्था को स्थानीय आवश्यकताओं, संसाधन, संस्कृति और कार्य प्रवृति के आधार पर नया आकार दें। उन्होंने कहा कि राजस्थान की भौगोलिक, प्राकृतिक, ऐतिहासिक स्थितियों के अनुसार विकसित राजस्थान की कल्पना को साकार करने के लिए युवा नई सोच और नई ऊर्जा के साथ अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में भागीदार बने।

देवनानी शुक्रवार को यहां प्रतापनगर स्थित जयपुरिया इन्सटीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट में पीएचडीसीसीआई के तत्वाधान में आयोजित 350 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर विकसित राजस्थान पर एक दिवसीय सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। देवनानी ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर संस्थान में विधान सभा अध्यक्ष के नाम से एक पौधा लगाया गया और उसका ग्रीन सर्टिफिकेट देवनानी को डॉ. प्रभात पंकज ने भेंट किया।

देवनानी ने कहा कि विकास के लिए शैक्षणिक वातावरण, मनोस्थिति और एकाग्रता का होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक राज्य की स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप ढांचागत व्यवस्था को विकसित करने के लिए लक्ष्य तय करके कार्य आरम्भ करना चाहिए। इससे विकास की गति को नई दिशा मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि राजस्थान खनिजों का भण्डार , कृषि और पशुपालन का प्रमुख केन्द्र, स्थापत्य, पुरातत्व , ऐतिहासिक किलो के साथ अनूठे लघु उद्योग धंधो का गढ़ है। यहां के डोरिया साड़ी, हाथीदांत के आभूषण, लाख की चूडियां सहित अनेक लघु उद्योग राज्य की मजबूत अर्थव्यवस्था के आधार रहे है। बीकानेर के बाजरे का बिस्कीट जिसने अमेरिका तक अपनी पहुंच बनाई है, वहीं कैर-सांगरी, नागोरी मेथी, मथानिया की मिर्च ने राजस्थान की अर्थव्यवस्था को पंख लगाये है।

देवनानी ने कहा कि आजादी के 75 वर्ष बाद सम्पूर्ण भारत के साथ राजस्थान ने भी तरक्की के नये आयाम स्थापित किए है। इससे यहाँ की अर्थव्यवस्था तीव्र गति से सुदृढ़ हुई है। कृषि , शिक्षा, तकनीकी और पर्यटन सहित लघु उद्योगों ने राजस्थान की अर्थव्यवस्था को नया आकार दिया है। देवनानी ने इस कार्य में विस्तार के लिये युवा पीढी को आगे आने के लिये कहा। देवनानी ने कहा कि भारत का ज्ञान -विज्ञान प्राचीनकाल से ही उच्च स्तर का रहा है। देवनानी ने कहा कि भारतीयों में नेतृत्व क्षमता उच्च श्रेणी की रही है। विदेशों में जरूर जायें, लेकिन अपने देश के विकास में अवश्य भागीदार बने। उन्होंने कहा कि राजस्थान के युवा अपनी नेतृत्व क्षमता में निखार लाये और राज्य का नाम विश्व पटल पर रोशन करें। देवनानी ने कहा कि हैप्पीनेस इंडेक्स और विकास को बढ़ाने के लिए लक्ष्य तय करो, जिज्ञासु बनों, समस्याओं का तत्काल समाधान करो और राष्ट्र को अधिकतम देने का प्रयास करो। सेमिनार को डॉ. प्रभात पंकज, डॉ. एस.पी शर्मा व आर. के. गुप्ता ने भी संबोधित किया। स्वागत एवं आभार वरुण चौटिया ने किया।

अध्यापिका द्वारा मारपीट करने से आक्रोशित परिजनों ने की स्कूल में तालाबंदी

अलवर। राजस्थान में अलवर शहर के राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय लादिया में एक अध्यापिका द्वारा बच्चों के साथ मारपीट करने से आक्रोशित परिजनों ने आज स्कूल में तालाबंदी कर आरोपी अध्यापिका को गिरफ्तार करने की मांग की। छात्राओं के परिजनों ने बताया कि जब तक अध्यापिका का तबादला या गिरफ्तार नहीं होगी, तब तक तालाबंदी जारी रखी जायेगी। गौरतलब है कि गुरुवार को भी स्कूल में इस बात को लेकर काफी हंगामा हुआ। संबंधित अध्यापिका सोनम मिश्रा पुलिस को बुला लाई और पुलिस के सामने बच्चों ने आपबीती बताई तो अध्यापिका सोनम मिश्रा बच्चों पर गुस्सा हो गई और बच्चों के साथ मारपीट करने लगी।बच्चों ने अपने माता-पिता को बताया तो आक्रोशित होकर शुक्रवार को स्कूल पहुंचे और उन्होंने हंगामा किया। एक बच्चे के कंधे में फैक्चर भी हो गया। छात्राओं ने बताया कि हमारी चोटी पकड़कर यह मारपीट करती हैं। दीवार में सिर दे मारती हैं। घटना के बाद आज ब्लॉक जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय उमरेन से जांच अधिकारी पहुंचे और उन्होंने इस मामले की जांच की। जांच अधिकारी ने बताया कि संस्था के प्रधान द्वारा हमें अवगत कराया गया है और यहां मोहल्ले में आक्रोश व्यक्ति स्कूल में तालाबंदी कर दी है समझाइस के प्रयास किए गए लेकिन सफल नहीं रहे। उन्होंने बताया कि इस संबंध में तथ्यात्मक प्रतिवेदन तैयार किया जा रहा है जो उच्च अधिकारियों को भेजा जायेगा और जो भी निर्णय होगा कार्यवाही की जायेगा।

चिकित्सा शिक्षा सचिव का रात दस बजे से औचक निरीक्षण, इच्छाशक्ति के साथ व्यवस्थाएं सुधारने के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार गुरुवार देर रात अचानक एसएमएस मेडिकल कॉलेज से संबद्ध अस्पतालों का निरीक्षण करने पहुंचे।उन्होंने रात 10 बजे से करीब 2 बजे तक चार घंटे लगातार एसएमएस अस्पताल, ट्रोमा सेंटर, जनाना अस्पताल एवं गणगौरी अस्पताल का गहन निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं में सुधार के लिए निर्देश दिए।

चिकित्सा शिक्षा सचिव रात करीब 10.15 बजे बिना किसी सूचना के अचानक एसएमएस अस्पताल पहुंचे। उन्होंने यहां आम आदमी की तरह चिकित्सा सुविधाओं का अवलोकन किया। वे सबसे पहले रजिस्ट्रेशन काउंटर पर पहुंचे और वहां मौजूद स्टाफ से रजिस्ट्रेशन एवं भर्ती प्रक्रिया के बारे में पूछा। इसके बाद चिकित्सा शिक्षा सचिव आपातकालीन इकाई में पहुंचे और यहां रोगियों के उपचार की प्रक्रिया, चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ सहित अन्य कर्मियों की उपस्थिति की जांच की। इस दौरान एम्बुलेंस में आ रहे मरीजों को आपातकालीन इकाई तक पहुंचाने के लिए ट्रॉलीमैन की कमी पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की और शीघ्र ट्रोलीमेन की संख्या बढ़ाने, इमरजेंसी में सीनियर डॉक्टर्स की उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा साफ सफाई व्यवस्था को बेहतर करने के निर्देश दिए।

अम्बरीष कुमार ने आपातकालीन इकाई में मरीजों से भी बात कर फीडबैक लिया। उन्होंने वार्डो में जाकर वहां उपचार और रोगियों के लिए उपलब्ध सेवाओं की वास्तविक स्थिति जानी। वार्डों में रोगियों के लिए कम्बल, बैडशीट आदि पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराने सहित व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रोगियों को अपने परिवार का सदस्य मानते हुए सेवा भाव के साथ उपचार करें। इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सर्दी के मौसम को ध्यान में रखते हुए आवश्यकतानुसार अच्छी क्वालिटी के कम्बल खरीदे जाने तथा रोगियों के परिजनों के लिए रैन बसेरे में माकूल इंतजाम सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

चिकित्सा शिक्षा सचिव ने कहा कि अस्पताल प्रबंधन मेंटीनेंस के कार्यों पर फोकस करते हुए अस्पताल की स्थिति को बेहतर बनाएं। छोटेछोटे कामों को विकेंद्रीकृत व्यवस्था के आधार पर पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि जरूरी कार्यों के लिए बजट का कोई अभाव नहीं है, केवल इच्छाशक्ति की आवश्यकता है। जिन कार्यों के लिए समुचित बजट उपलब्ध है, उन्हें बिना किसी देरी के पूरा कराएं। कुमार ने कहा कि डॉक्टर एवं अन्य स्टाफ ड्यूटी टाइम में यूनिफॉर्म में रहें।

प्रदेश की 27 सड़कों के लिए केन्द्र ने 1154.47 करोड़ रूपये की दी मंजूरी : दीया कुमारी

जयपुर। प्रदेश की 27 सड़कों के विकास के लिए केन्द्र सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने 1154.47 करोड़ रूपये की तथा श्रीगंगानगर में रेलवे अण्डर ब्रिज निर्माण के लिए 30 करोड़ रूपये स्वीकृति दी है। इस राशि से राज्य की 748.80 कि.मी की सड़कों का चौड़ाई करण एवं सुदृढीकरण तथा कोटा में कालीसिंध नदी पर हाईलेवल ब्रिज का निर्माण किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी के प्रयासों से केन्द्रीय सड़क एवं अवसंरचना निधि से राज्य सड़कों के विकास के लिए तथा सेतु बंधन योजना के तहत केन्द्र सरकार द्वारा यह राशि स्वीकृत की गई है। गौरतलब है कि प्रदेश की विभिन्न सड़कों एवं नवीन वृहद परियोजनाओ के विकास मे सहयोग के लिए उप मुख्यमंत्री ने गुरूवार को केन्द्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की थी।

जयपुर में 170 करोड़ रुपए से बनेगा प्रदेश का पहला सरकारी पीएम एकता मॉल

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में जल्द ही प्रदेश का पहला सरकारी मॉल बनने जा रहा है। इसे 'यूनिटी मॉल' या 'पीएम एकता मॉल' नाम दिया गया है। इस मॉल का निर्माण 170 करोड़ रुपए की लागत से किया जाएगा। बताया जा रहा है कि इस मॉल के बनने से राजस्थान की सांस्कृतिक विविधता, हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा।

उद्योग विभाग के सूत्रों के मुताबिक इस यूनिटी मॉल का निर्माण टोंक रोड पर सांगानेर एयरपोर्ट के पास, तरुछाया नगर कॉलोनी के पीछे प्रस्तावित है। यह भूमि पहले रीको फिनटेक पार्क के लिए प्रस्तावित थी, लेकिन अब इसे यूनिटी मॉल परियोजना के लिए चुना गया है। इस प्रोजेक्ट (मॉल) को ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन) के आधार पर बनाया जाएगा। उद्योग विभाग के मुताबिक मॉल के लिए आवश्यक 170 करोड़ रुपए की धनराशि केंद्र सरकार उपलब्ध करवा रही है। रीको (ठखखउज) इस परियोजना की कार्यकारी एजेंसी होगी। परियोजना का स्वामित्व और प्रबंधन उद्योग विभाग के तहत होगा। सूत्रों के मुताबिक इस यूनिटी मॉल के बनने से राजस्थान के कारीगरों के उत्पादों को बड़ा बाजार उपलब्ध होगा। इसमें पारंपरिक हस्तशिल्प, वस्त्र और अन्य स्थानीय उत्पादों के लिए विशेष गैलरी और आउटलेट्स रखे जा सकते हैं। बता दें कि एक जिला, एक उत्पाद योजना के तहत केंद्र सरकार देशभर के सभी जिलों के स्थानीय उत्पादों को प्रमोट करने की योजना पर काम कर रही है। इसके लिए सभी रेलवे स्टेशनों पर विशेष काउंटर (आउटलेट्स) खोले गए हैं। ताकि देश में रोजगार के अधिक अवसर पैदा किए जा सकें।

सांगानेर एयरपोर्ट के पास स्थित होने के कारण यह मॉल घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के लिए आकर्षण का विशेष केंद्र बनेगा।

पशुपालन शासन सचिव ने किया औचक निरीक्षण, काम में कोताही बरतने वालों के निलम्बन के दिए निर्देश

जयपुर/दक्षिण भारत । डॉ समित शर्मा, शासन सचिव, पशुपालन, मत्स्य एवं गोपालन विभाग ने शुक्रवार को अपने सीकर प्रवास के दौरान जिले की पशु चिकित्सा संस्थाओं, प्रयोगशालाओं तथा जिला स्तरीय कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने प्रातः 9:00 बजे ब्लॉक वेटरनरी हेल्थ ऑफिस पलसाना का औचक निरीक्षण किया, जिसमें अनुपस्थित पाए गए लैब असिस्टेंट को डॉ. शर्मा ने निलम्बित किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने ब्लॉक स्तरीय चिकित्सालय में साफ सफाई, व्यवस्था तथा सामान व उपकरण के संधारण एवं अनुपयोगी समान के निस्तारण नहीं किये जाने पर असंतोष जाहिर करते हुए इन्हें शीघ्रता से निस्तारित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान ब्लॉक पलसाना में स्थापित मोबाइल वेटरनरी यूनिट के पशु चिकित्सक व पशुधन सहायक उपस्थित मिले परंतु एमवीयू का वाहन चालक नदारद पाया गया। बार-बार निर्देश के उपरांत भी मोबाइल यूनिट का वाहन 9:20 बजे तक ब्लॉक कार्यालय पर नहीं लाया गया। इस पर शासन सचिव डॉ शर्मा ने निदेशक पशुपालन एवं योजना प्रभारी को सेवा प्रदाता कंपनी के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिए।

डॉ. शर्मा ने जिला संयुक्त निदेशक, पशुपालन विभाग, सीकर कार्यालय परिसर में संचालित जिला कार्यालय, बहुउद्देशीय पशु चिकित्सालय, सीकर तथा जिला रोग निदान प्रयोगशाला का भी औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान इन कार्यालयों में पदस्थापित कार्मिकों में से छह कार्मिक अनुपस्थित पाए गए। डॉ. शर्मा ने समय पालन के संबंध में उक्त कार्मिकों की वस्तुस्थिति के बारे में विश्लेषण कर मौके से ही अनुपस्थित पाए गए सभी कार्मिकों को निलंबित किए जाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान शासन सचिव डा. समित शर्मा ने बहुउद्देश्यीय पशु चिकित्सालय में नव पदस्थापित पशु चिकित्सकों का दी जा रही हैंडस ऑन प्रैक्टिकल ट्रेनिंग का अवलोकन करते हुए अधिकारियों की प्रशंसा की।

संभल हिंसा के बाद अब शांति और अमन-चैन बहाली की दिशा में बढ़े कदम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संभल (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के संभल में विवादित जामा मस्जिद-हरिहर मंदिर स्थल के सर्वेक्षण के दौरान भड़की हिंसा के बाद अब यहां के लोग भविष्य की ओर देख रहे हैं और अमन-चैन बहाली की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। संभल में अदालत के आदेश पर 19 नवंबर को पहली बार किए गए जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के बाद से ही तनाव दिखने लगा था। अदालत ने यह आदेश जिस याचिका पर दिया उसमें दावा किया गया है कि जिस जगह पर जामा मस्जिद है वहां पहले कभी हरिहर मंदिर था।

गत 24 नवंबर को मस्जिद का दोबारा सर्वेक्षण किए जाने के दौरान हिंसा भड़क उठी थी। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प में चार लोगों की मौत हो गई थी तथा 25 अन्य जख्मी हो गए थे।

इससे जिले में दहशत फैल गई लेकिन अब स्थानीय निवासी सामान्य स्थिति की ओर लौटने के लिए प्रयासरत हैं।

जामा मस्जिद के पास रहने वाले स्थानीय निवासी डॉ. शाने रब ने लोगों की सामूहिक भावना को व्यक्त करते हुए कहा, हमारा संभल ऐसी घटनाओं से तंग आ चुका है। ये घटनाएं हमारे शहर पर एक दाग हैं और हर कोई शांति की राह पर लौटना चाहता है। मुझे विश्वास है कि जल्द ही शांति लौट आएगी।

स्थानीय शिक्षक विकास वर्मा ने भी यही बात दोहराते हुए कहा कि ''संभल के लोग इन घटनाओं से बहुत दुखी हैं। हम चाहते हैं कि शांति और सौहार्द कायम रहे।

वर्मा ने कहा, मुश्किल समय के बाद हम सभी सद्भाव बहाल करने के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जल्द ही, संभल फिर से प्रगति की राह पर लौट आएगा।

हिंसा के मद्देनजर संभल में सुरक्षा बढ़ा दी गई है, खास तौर पर शाही जामा मस्जिद के आसपास, जहां कड़ी निगरानी में जुमे की नमाज अदा की गई।

मस्जिद के आसपास अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और स्थिति पर नजर रखने तथा यह सुनिश्चित करने के लिए ड्रोन तैनात किए गए हैं कि कोई अप्रिय घटना न हो। किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए मस्जिद और प्रमुख मार्गों के आसपास पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

जामा मस्जिद के सदर जफर अली ने कहा, मैंने शांति व्यवस्था के लिए वीडियो जारी कर अपील की थी कि सभी लोग अमन-चैन और शांति के साथ नमाज पढ़ने आएं और नमाज शांति से संपन्न हुई। उन्होंने कहा, हमारी यही कोशिश है कि आगे भी शांति बनी रहे।

संभल के 'स्पेयर पार्ट्स' के दुकानदार मुशाहिद हुसैन ने उम्मीद जताते हुए कहा, अल्लाह का खैर है कि नमाज के दौरान शांति रही। हमारे संभल का जो अमन-चैन चला गया था, वो जल्द वापस आएगा।

तस्करी कर लाए गए 200 तोते वन क्षेत्र में पिंजड़े से आजाद किए गए

गाजियाबाद (उप्र)/भाषा। वेव सिटी पुलिस द्वारा तस्करों के कब्जे से जब्त किए गए दो पिंजड़ों में कैद करीब 200 तोते शुक्रवार को यहां राजनगर एक्सटेंशन के वन क्षेत्र में पिंजड़े से आजाद कर दिए गए। ये तोते पशु कल्याण के लिए काम करने वाले संगठन 'पीपुल फॉर एनिमल ऑर्गेनाइजेशन' (पीएफए) के अधिकारी गौरव गुप्ता की शिकायत पर जब्त किए गए थे।

पुलिस अधीक्षक (वेव सिटी) लिपि नागाइच ने बताया कि पुलिस ने तस्करों के साथ मिलीभगत में तोतों की तस्करी में मदद करने के आरोप में बस परिचालक बजरंग लाल को गिरफ्तार किया है जो राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले का निवासी है।

उन्होंने कहा कि वह अकसर पिंजड़ों में भरे तोते मुरादाबाद जिले से जयपुर ले जाता था। उन्होंने कहा कि पुलिस ने बृहस्पतिवार को डासना कस्बे में एक संस्थान के पास एक बस को रोका था।

नागाइच ने बताया कि तलाशी करने पर पुलिस को दो पिंजड़ों में तोते बंद मिले जिन्हें ठूंस-ठूंसकर भरा गया था जिससे कुछ तोते घायल हो गए थे। अधिकारी ने कहा कि ये तोते बस की डिक्की में छिपाए गए थे और पिंजड़ों को बोरे से ढका गया था।

महायुति की बैठक स्थगित, पैतृक गांव पहुंचे शिंदे, सरकार गठन में देरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सूत्रों ने बताया कि नई सरकार का शपथ ग्रहण अगले सप्ताह होने की है उम्मीद

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के निवर्तमान मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के अपने पैतृक गांव जाने के कारण शुक्रवार को होने वाली महायुति की महत्वपूर्ण बैठक स्थगित हो गई, जिसकी वजह से चुनाव परिणाम घोषित होने के एक सप्ताह बाद भी नई सरकार नहीं बन पाई है। शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के सूत्रों ने कहा कि अब महायुति की बैठक रविवार को होने की उम्मीद है।

महायुति के सबसे बड़े घटक दल भाजपा के नेताओं ने कहा कि वे विधायक दल की बैठक के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षकों के आने का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच, शिवसेना नेता उदय सामंत ने इन अटकलों को खारिज कर दिया कि शिंदे नाराज हैं, और इसी वजह से पैतृक गांव के लिए रवाना हुए हैं।

सूत्रों ने बताया कि नई सरकार का शपथ ग्रहण अगले सप्ताह होने की उम्मीद है। शिंदे ने बृहस्पतिवार रात नई दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए कहा था कि सरकार गठन के सिलसिले में केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह के साथ बातचीत सकारात्मक रही और अगले दौर की चर्चा शुक्रवार को मुंबई में होगी।

पश्चिम बंगाल से आपूर्ति बंद होने के कारण ओडिशा में आलू की कीमतें बढ़ी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में पिछले दो दिन में आलू की कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई है क्योंकि पश्चिम बंगाल ने राज्य में रसोई की आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर प्रतिबंध लगा दिया है। व्यापारियों ने यह जानकारी दी।

आलू से लदे सैकड़ों ट्रक ओडिशा-बंगाल सीमा के पास खड़े हैं क्योंकि बुधवार रात से वाहनों को अंतरराज्यीय सीमा पार करने की अनुमति नहीं दी गई है। इनमें से कई ट्रक अपने मूल स्थान पर लौट आए हैं क्योंकि आलू खराब हो सकते हैं। व्यापारियों ने कहा कि पहले ओडिशा के बाजारों में 30 रुपए से 33 रुपए प्रति किलोग्राम के हिसाब से बिक रहा आलू अब खुदरा बाजारों में 40 रुपए प्रति किलोग्राम हो गया है। उन्होंने कहा कि अगर आपूर्ति बहाल नहीं हुई तो आलू की कीमतें और बढ़ सकती हैं। ऑल ओडिशा ट्रेडर्स एसोसिएशन के सचिव सुधाकर पांडा ने ओडिशा सरकार से हस्तक्षेप करने और राज्य में आलू के ट्रकों को प्रवेश की अनुमति देने के लिए पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल के साथ बातचीत करने की अपील की है। इस बारे में पूछे जाने पर, खाद्य आपूर्ति और उपभोक्ता कल्याण मंत्री कृष्णचंद्र पात्रा ने कहा कि पश्चिम बंगाल से आलू की आपूर्ति में व्यवधान हुआ है। उन्होंने कहा, हम पंजाब या उत्तर प्रदेश से आलू लाएंगे और सुनिश्चित करेंगे कि उपभोक्ताओं को कोई समस्या न हो। ओडिशा को प्रतिदिन लगभग 4,500 टन आलू की आवश्यकता होती है। राज्य इसके लिए काफी हद तक पश्चिम बंगाल पर निर्भर है।

बिरसा मुंडा के परपोते मंगल मुंडा की रांची के एक अस्पताल में मृत्यु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। आदिवासी नेता बिरसा मुंडा के परपोते मंगल मुंडा की शुक्रवार को हृदय गति रुकने से मौत हो गई। मंगल मुंडा (45) एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे और यहां राज्य के शीर्ष अस्पताल राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में उनका इलाज किया जा रहा था। अस्पताल के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने रिम्स में रात साढ़े 12 बजे अंतिम सांस ली।

झारखंड के खूंटी जिले में 25 नवंबर को एक यात्री वाहन की छत से गिरने के कारण मंगल मुंडा के सिर में गंभीर चोट आई थी। रिम्स के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. हिरेन बिरुआ ने कहा, बिरसा मुंडा के रिश्तेदार मंगल मुंडा की रात करीब साढ़े 12 बजे हृदय गति रुकने से मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल मंगल मुंडा को 'वेंटिलेटर' पर रखा गया था। मंगल मुंडा को मंगलवार को खूंटी सदर अस्पताल से रिम्स रेफर किया गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुंडा के निधन को झारखंड के आदिवासी समाज के लिए क्षति बताया। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भगवान बिरसा मुंडा जी के वंशज मंगल मुंडा जी के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। उनका जाना उनके परिवार के साथ ही झारखंड के जनजातीय समाज के लिए भी अपूरणीय क्षति है। शोक की इस घड़ी में ईश्वर उनके परिजनों को संबल प्रदान करे। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और राज्यपाल संतोष गंगवार ने मंगल मुंडा के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के कुलसचिव के निलंबन पर रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने कथित भ्रष्टाचार के मामले में बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डाक्टर अश्वनी कुमार सिंह के निलंबन पर रोक लगा दी है। साथ ही अदालत ने सिंह के खिलाफ जांच पर भी रोक लगा दी है।

अदालत ने केंद्र सरकार और विश्वविद्यालय को चार सप्ताह के भीतर जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति अब्दुल मोइन की एकल पीठ ने डाक्टर अश्वनी कुमार सिंह की याचिका पर बृहस्पतिवार को यह आदेश पारित किया। याचिकाकर्ता ने 18 नवंबर को पारित अपने निलंबन और 22 नवंबर को अपने खिलाफ पारित विभागीय जांच के आदेश को चुनौती दी है। ये दोनों ही आदेश कार्यवाहक कुलपति द्वारा पारित किए गए हैं। याचिकाकर्ता की दलील है कि नियम के तहत उनके खिलाफ ये आदेश पारित करना कुलपति के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। वहीं इस याचिका का विरोध करते हुए विश्वविद्यालय की ओर से दलील दी गई कि कुलपति को विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार है। भ्रष्टाचार का एक मामला पाए जाने के बाद याचिकाकर्ता के खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने कहा कि विश्वविद्यालय के नियमों के प्रावधानों के तहत कर्मचारियों और अधिकारियों को अलग अलग परिभाषित किया गया है और कुलसचिव को एक अधिकारी माना गया है। अदालत ने कहा कि कुलपति को कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार है, ना कि अधिकारियों के खिलाफ। प्रथम दृष्टया कुलपति द्वारा पारित दोनों आदेश उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर के प्रतीत होते हैं।

मोदी की 'पकौड़ा-नॉमिक्स' में जनता के लिए पकौड़े, चुनिंदा लोगों के लिए हलवा है : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए केंद्र सरकार पर कटाक्ष किया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'पकौड़ा-नॉमिक्स' में जनता के लिए पकौड़े, लेकिन कुछ चुनिंदा लोगों के लिए हलवा है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, कल जारी अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की वैश्विक वेतन रिपोर्ट 2024-2025 में भारत में वेतन असमानता को लेकर कुछ चिंताजनक तथ्य सामने आए हैं। भारत के शीर्ष 10 प्रतिशत आय वाले लोग सबसे निचले 10 प्रतिशत आय वालों की तुलना में 6.8 गुना अधिक कमाते हैं। उन्होंने दावा किया कि यह पाकिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, नेपाल और म्यांमा सहित पड़ोस के लगभग हर देश की तुलना में बहुत ज्यादा असमानता है। कांग्रेस नेता ने कहा, सभी निम्न और मध्यम आय वाले देशों में से भारत में नियमित वेतन प्राप्त करने वाले श्रमिकों की हिस्सेदारी सबसे कम है। अधिकतर श्रमिक स्व-रोज़गार में लगे हुए हैं जो आम तौर पर अनौपचारिक और कम वेतन वाला होता है। इसमें अस्थिरता की आशंका काफ़ी अधिक होती है।

अब जवाबदेही तय करनी होगी, कठोर निर्णय लेने होंगे: खरगे

चुनावी नतीजों से सबक लेते हुए संगठन के स्तर पर अपनी सभी कमजोरियों और खामियों को दुरुस्त करने की जरूरत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनावों में हार को पार्टी के लिए 'बड़ा झटका' करार देते हुए शुक्रवार को कहा कि अब जवाबदेही तय करने के साथ ही कठोर निर्णय लेने होंगे। उन्होंने कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में यह भी कहा कि पार्टी नेताओं को अनुशासन का सख्ती से पालन करना चाहिए और पार्टी को पुराने ढर्रे की राजनीति से हर बार सफलता नहीं मिल सकती।

खरगे ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) ने चुनावी प्रक्रिया को संदिग्ध बना दिया है और ऐसे में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करवाना निर्वाचन आयोग का संवैधानिक दायित्व है। उन्होंने वायनाड से प्रियंका गांधी वाद्रा और नांदेड़ से रवींद्र चव्हाण के लोकसभा उपचुनाव जीतने पर उन्हें बधाई दी।

कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नेतृत्व में हुई इस बैठक में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, केसी वेणुगोपाल, जयराम रमेश और पार्टी के कई अन्य नेता शामिल हुए। कांग्रेस और उसके सहयोगियों को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ा है। इससे पहले उसे हरियाणा में भी आश्चर्यजनक हार का सामना करना पड़ा था। खरगे ने कार्य समिति की बैठक में कहा, हमें तुरंत चुनावी नतीजों से सबक लेते हुए संगठन के स्तर पर अपनी सभी कमजोरियों और खामियों को दुरुस्त करने की जरूरत है। ये नतीजे हमारे लिए संदेश हैं।

चुनावी प्रक्रिया की शुचिता से समझौता किया जा रहा है,: कांग्रेस कार्य समिति

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) ने शुक्रवार को कहा कि देश में चुनावी प्रक्रिया की शुचिता से समझौता किया जा रहा है और पार्टी इस संबंध में लोगों की चिंताओं को राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में उठाएगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नेतृत्व में हुई सीडब्ल्यूसी की बैठक में हालिया विधानसभा चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन, संभल हिंसा की पृष्ठभूमि में पूजा स्थल कानून, मणिपुर हिंसा और कई अन्य विषयों पर चर्चा की।

कार्य समिति ने संभल हिंसा की पृष्ठभूमि में आरोप लगाया कि भाजपा द्वारा पूजा स्थल कानून का उल्लंघन किया जा रहा है। कार्य समिति की ओर से पारित प्रस्ताव में आरोप लगाया गया है कि पूरी चुनावी प्रक्रिया की शुचिता से समझौता किया जा रहा है, जिसको लेकर लोगों में बहुत चिंता है। इसमें कहा गया है कि कांग्रेस लोगों की चिंताओं को राष्ट्रीय आन्दोलन के रूप में उठाएगी। प्रस्ताव में कहा गया है कि मणिपुर में हिंसा जारी है, लेकिन प्रधानमंत्री ने अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लिया है। कार्य समिति ने चुनावी प्रदर्शन और संगठन के मामले को लेकर समिति का गठन करने का फैसला किया।

कोलकाता: बांग्लादेश में हिंदू आध्यात्मिक नेता की रिहाई की मांग को लेकर इस्कॉन ने प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। इस्कॉन ने बांग्लादेश की एक जेल में बंद हिंदू आध्यात्मिक नेता चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई की मांग करते हुए लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को यहां अल्बर्ट रोड स्थित अपने केंद्र पर कीर्तन का आयोजन किया और पड़ोसी देश में धार्मिक अल्पसंख्यकों की दुर्दशा पर चिंता जतायी।

इस्कॉन के अनुयायियों ने हाथों में तख्तियां लेकर दास के समर्थन में कीर्तन किया। इस्कॉन के प्रवक्ता राधारमण दास ने बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों (विशेषकर हिंदुओं) की बिगड़ती स्थिति पर प्रकाश डाला। बांग्लादेश की 17 करोड़ की आबादी में हिंदू अल्पसंख्यक हैं और उनकी संख्या केवल 8 प्रतिशत हैं।

पांच अगस्त को शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के पतन के बाद से बांग्लादेश के 50 से अधिक जिलों में हिंदुओं को 200 से अधिक हमलों का सामना करना पड़ा है। दास को राजद्रोह के मामले में गिरफ्तार किया गया था और बाद में अदालत ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया। इसके बाद राजधानी ढाका और बंदरगाह शहर चटगांव सहित विभिन्न स्थानों पर समुदाय के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

'भारत और पाकिस्तान को एक-दूसरे की धरती पर क्रिकेट खेलना चाहिए'

पटना/भाषा। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भारत और पाकिस्तान के एक-दूसरे की धरती पर क्रिकेट खेलने की वकालत की है।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता से बीसीसीआई के इस फैसले के बारे में पूछा गया कि भारत, पाकिस्तान के खिलाफ सिर्फ तटस्थ स्थल पर खेलेगा। राजद नेता ने कहा, ऐसे मामलों में राजनीति नहीं होनी चाहिए। अगर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पाकिस्तान जा सकते हैं और नवाज शरीफ के साथ बिरयानी खा सकते हैं, तो दोनों देशों की क्रिकेट टीम के दौरे में क्या बुराई है।

राजनीति में आने से पहले क्रिकेट खिलाड़ी रहे तेजस्वी का इशारा 2015 में मोदी के लाहौर की अचानक यात्रा करने की ओर था।

तेजस्वी ने भारत-पाकिस्तान के एक-दूसरे के यहां क्रिकेट खेलने की पैरवी करते हुए कहा, ऐसी यात्राओं से दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क बेहतर होगा।

हार्दिक पंड्या का बल्ले से चमकदार प्रदर्शन जारी, शार्दुल के नाम हुआ सबसे खराब गेंदबाजी रिकॉर्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। हार्दिक पंड्या ने बाएं हाथ के स्पिनर परवेज सुल्तान के एक ओवर में 28 रन और पांच छक्के जड़कर अपनी शानदार बल्लेबाजी फॉर्म जारी रखी जिससे बड़ौदा ने शुक्रवार को यहां सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप बी मैच में त्रिपुरा को सात विकेट से करारी शिकस्त दी।

महज 110 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बड़ौदा ने हार्दिक के 23 गेंद में 47 रन की मदद से सिर्फ 11.2 ओवर में इसे हासिल कर लिया। इससे पहले उनके बड़े भाई कृणाल पंड्या ने नई गेंद से 22 रन देकर दो विकेट झटके। मैदान में बैठे दर्शकों का हार्दिक ने पूरा मनोरंजन किया। उन्होंने सुल्तान पर लांग ऑफ और एक्सट्रा कवर पर तीन जबकि काउ कॉर्न पर दो छक्के जड़े।

हार्दिक के लिए अभी तक सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट शानदार रहा है और उन्होंने बड़ौदा की सभी चार जीत में योगदान दिया है। उन्होंने इन मैच में नाबाद 74 रन, नाबाद 41 रन, 69 रन और 47 रन बनाये। उन्होंने साथ ही दो विकेट भी झटके हैं। वहीं हैदराबाद में ग्रुप ई के मैच में केरल ने मुंबई को 43 रन से शिकस्त दी जिसमें शार्दुल ठाकुर ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 के इतिहास में सबसे खराब गेंदबाजी रिकॉर्ड बनाया। इंडियन प्रीमियर लीग नीलामी में अनदेखी किए जाने के बाद ठाकुर ने चार ओवर में 69 रन लुटाये।

ठाकुर ने मैच के शुरू में संजू सैमसन (04) का विकेट झटका लेकिन फिर उनकी गेंदों पर छह छक्के और पांच चौके लगे। सलमान निजार ने 49 गेंद में आठ छक्कों की मदद से नाबाद 99 रन बनाये जिससे अजिंक्य रहाणे की 35 गेंद में 68 रन की पारी भी फीकी पड़ गई। केरल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सलमान और रोहन कुन्नुम्मल (48 गेंद में 87 रन, सात छक्के) के बीच तीसरे विकेट के लिए महज 13.2 ओवर में 140 रन की साझेदारी से पांच विकेट पर 234 रन का स्कोर खड़ा किया। जवाब में मुंबई की टीम नौ विकेट पर 191 रन ही बना सकी। पृथ्वी ने 13 गेंद में 23 रन बनाकर अच्छी शुरुआत की लेकिन श्रेयस केवल 32 रन ही बना सके। मुंबई में ग्रुप सी के मैच में दिल्ली ने मणिपुर पर चार विकेट से जीत दर्ज की जिसमें सलामी बल्लेबाज यश धुल ने 51 गेंद में 59 रन की संयमित पारी खेली।

मैं जुलाना में ही हूं, जिंदा हूं और कहीं गुमशुदा नहीं हूं : विनेश फोगाट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जींद/भाषा। हरियाणा के जींद जिले के जुलाना विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस की विधायक और ओलंपियन विनेश फोगाट ने सोशल मीडिया पर वायरल हुए 'लापता विधायक की तलाश' संबंधी पोस्टर मामले में कहा कि वह क्षेत्र में ही हैं और जिंदा हैं तथा गुमशुदा नहीं हैं।

विनेश ने कहा, मैं जुलाना में ही हूं, जिंदा हूं और कहीं गुमशुदा नहीं हूं। मैं अपनों के बीच रही हूं और अपनों के बीच ही रहूंगी। एक महीने में कोई गुमशुदा नहीं हो जाता। कांग्रेस विधायक ने शुक्रवार को जींद स्थित अपने कार्यालय पर लोगों की समस्यायें सुनी और कहा कि जुलाना को विकास के मामले में पीछे नहीं रहने दिया जाएगा। गौरतलब है कि बीते सप्ताह कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट की गुमशुदगी के पोस्टर सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। विपक्ष के लोग पोस्टर पर जमकर चुटकी भी ले रहे हैं।

गुमशुदा विधायक के पोस्टर वायरल करने के मामले में कांग्रेस नेता ने कहा, यह लोगों की ओछी मानसिकता है। वह गुमशुदा नहीं हैं और जिंदा है। विधायक बने अभी एक महीना ही तो हुआ है। ऐसे में वह लगातार लोगों के बीच जा रही हैं।

सुविचार

किसी इंसान के आज को देखकर उसके भविष्य का मजाक मत उड़ाओ, क्योंकि समय में इतनी शक्ति है कि वो कोयले को धीरे-धीरे हीरे में बदल देता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बचपन बचाएं सरकारें

ऑस्ट्रेलिया की संसद ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल करने पर प्रतिबंध लगाने संबंधी विधेयक को मंजूरी देकर मिसाल कायम की है। यह दुनिया में ऐसा कानून बनाने वाला पहला देश बन गया, जिसके नागरिकों को भविष्य में बहुत लाभ मिलेगा। आज का सोशल मीडिया वह नहीं है, जो दशकभर पहले होता था। यह प्लेटफॉर्म दुनिया को जोड़ने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता था, लेकिन अब यह फर्जी खबरों, सांप्रदायिकता, झगड़ों और समय की बर्बादी का अड्डा बनता जा रहा है। इस पर अश्लील सामग्री खूब परोसी जा रही है। अगर कोई उसकी शिकायत करता है तो 'जांच' के नाम पर कई तरह के सवाल पूछे जाते हैं। एक-दो दिन बाद यह कहते हुए उसे हटाने से इन्कार कर दिया जाता है कि 'उक्त सामग्री हमारी पॉलिसी का उल्लंघन नहीं करती ... कृपया इसका अध्ययन करें!' ऐसे में उचित ही है कि बाल मन की कोमलता की रक्षा करने के लिए बच्चों को इससे दूर ही रखा जाए। बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल करने के संबंध में एक तर्क यह दिया जाता है कि इससे उनमें मेलजोल बना रहेगा, वे किसी विषय पर चर्चा कर सकेंगे। बच्चों में मेलजोल बढ़ाने के लिए उन्हें आमने-सामने बैठाकर संवाद कराना चाहिए। इस उम्र में अच्छी संगति बहुत मायने रखती है। प्राय: सोशल मीडिया पर मिलने वाले अनजान लोगों की नीयत के बारे में तो कुछ पता नहीं होता। कई बच्चों को सोशल मीडिया की भयंकर लत लग जाती है। वे फर्जी पहचान के साथ अकाउंट तक बना लेते हैं। उसके बाद घंटों व्यस्त रहकर खाना-पीना, खेलकूद और पढ़ाई करना भी भूल जाते हैं। जब उन्हें टोका जाता है तो रूठने और झगड़ा करने लगते हैं।

बच्चों को चाहिए कि वे सोशल मीडिया की दुनिया से दूरी बनाएं और प्रकृति के निकट जाएं, खेलकूद में भाग लें, तन और मन से मजबूत बनें। रील लाइफ और रियल लाइफ में अंतर समझें। यह आपके जीवन की सबसे सुनहरी अवधि है। एक बार बचपन चला गया, सो चला गया। इसे सोशल मीडिया और ओटीटी के चक्कर में बर्बाद न करें। सोशल मीडिया ने कई बच्चों के मन पर बुरी तरह कब्जा कर रखा है। वे समसामयिक घटनाओं की जानकारी हासिल करने में न के बराबर रुचि रखते हैं। अगर उनसे देश के अत्यंत महत्त्वपूर्ण पदों पर सेवारत लोगों के नाम पूछ लिए जाएं तो वे बगलें झांकने लगते हैं। जबकि यह पूरा याद रहता है कि कोरियन ड्रामों में आजकल क्या चल रहा है, फलां विदेशी बैंड के नए सदस्य का क्या नाम है, पेरिस में किस सेलिब्रिटी की नई हेयर स्टाइल को लोग कॉपी कर रहे हैं! कई बच्चे इन कथित विदेशी सेलिब्रिटी से इतने गहरे प्रभावित हैं कि उनकी एक झलक पाने, उनसे मुलाकात करने के लिए अपना घर तक छोड़ सकते हैं। उन्हें पता ही नहीं कि वे कितना बड़ा जोखिम उठा रहे हैं, जिससे जान भी खतरे में पड़ सकती है! इसी साल जनवरी में दक्षिण कोरिया के एक पॉप बैंड के सदस्यों से मिलने के लिए तमिलनाडु की तीन किशोरियों का घर छोड़कर चले जाने का मामला सामने आया था। वे समुद्री मार्ग से द. कोरिया जाना चाहती थीं। उन्होंने किराए के लिए कुछ रुपयों का इंतजाम कर लिया था। जब वे आधी रात को एक रेलवे स्टेशन पर थीं तो पुलिस ने उन्हें देखा और सुरक्षित घर पहुंचाया। कोई शातिर अपराधी उन बच्चियों की मासूमियत का गलत तरीके से फायदा उठाकर बड़ी वारदात को अंजाम भी दे सकता था। बच्चों का वर्तमान बचाने और भविष्य उज्ज्वल बनाने के लिए सरकारों को अभिभावक की भूमिका निभानी चाहिए। अगर इसके लिए सोशल मीडिया समेत किसी भी माध्यम के खिलाफ कड़ा रुख अपनाना हो तो जरूर अपनाएं।

ट्वीटर टॉक

जोधपुर के फलौदी विधानसभा क्षेत्र में फलोदी विधानसभा क्षेत्र में छ55 करोड़ 65 लाख से फलोदी , जाम्भा, चाखू, चिमाणा एवं ढाढरवाला के लिए 53 किमी लंबाई तक 24 फुट चौड़ी सड़क बनाई जाएगी।यह डबल इंजन सरकार की गति से विकास है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

मुख्यमंत्री कार्यालय में नगरीय विकास एवं आवासन विभाग की समीक्षा बैठक ली। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों को शहरी विकास परियोजनाओं में तीव्र गति लाने, आवासीय योजनाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने एवं नागरिक सुविधाओं के विस्तार हेतु विशेष निर्देश दिए।

-भजनलाल शर्मा

महाराष्ट्र में हुए दुर्भाग्यपूर्ण सड़क हादसे की सूचना दु:खद एवं पीड़ादायक है। ईश्वर, दिवंगत पुण्यात्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान एवं शोक संतप्त परिजनों को यह अथाह पीड़ा सहन करने की शक्ति प्रदान करें। घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना है।

-राज्यवर्धन सिंह राठौड़

प्रेरक प्रसंग

मन की लगाम

स्वामी अनंतदेव अपने घोड़े पर सवार होकर एक गांव की ओर बढ़ रहे थे। रास्ते में एक राहगीर मिला। उसने संत से कहा कि मुझे अमुक गांव जाना है, थोड़ा साथ दे दो तो आपकी बड़ी कृपा होगी। संत अनंतदेव ने उसकी बात को स्वीकारा और अपने घोड़े पर बिठा लिया। बीच में राहगीर बोला, 'महाराज! आपके न बाल-बच्चे, न धंधा-न व्यापार, आप तो संत हैं, आप इस घोड़े का क्या करेंगे? हम गृहस्थ हैं। घोड़े का अधिक उपयोग तो हमारे लिए है। इसलिए कृपया ये घोड़ा मुझे दे दो तो आपकी बड़ी कृपा होगी।' संत अनंतदेव ने बोला, 'ठीक है, मैं तुम्हें घोड़ा दे दूंगा, लेकिन मेरी एक शर्त है कि आपका गांव तीन मील दूर है। जब तक गांव नहीं आता तुम्हें पूरे रास्ते केवल राम नाम जपना होगा और अगर एक बार भी 'राम, राम, राम' छूटा तो मैं घोड़ा नहीं दूंगा। यह सुनकर राहगीर ने सोचा कि साधु को अच्छा पटा लिया। घोड़ा अपनी गति से चल रहा था और राहगीर का मन उससे तेज गति से चल रहा था। उसने सोचा संत ने कहा है कि घोड़ा दूंगा, लेकिन लगाम की तो बात हुई नहीं। मुंह से 'राम-राम' बोल रहा है और मन में लगाम देंगे कि नहीं? कुछ समय बाद आखिर उसने पूछ ही लिया कि महाराज आप घोड़ा तो दोगे, लगाम दोगे कि नहीं? संत ने कहा 'ज्ञानी' अब न घोड़ा मिलेगा न लगाम, क्योंकि तुम शर्त हार गये?

सामयिक

भारत की पहली लंबी दूरी की लैंड अटैक क्रूज मिसाइल

डॉ सत्यवान सौरभ

मोबाइल : 9466526148

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 12 नवंबर 2024 को अपनी लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल का पहला उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक किया। पहली उड़ान ओडिशा के तट पर चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज से एक मोबाइल आर्टिकुलेटेड लॉन्चर से उड़ाई गई। एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट, बेंगलुरु द्वारा अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाओं और भारतीय उद्योगों के योगदान के साथ विकसित, लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल आधुनिक सैन्य शस्त्रागार में एक महत्त्वपूर्ण अतिरिक्त है। लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल को मोबाइल ग्राउंड-आधारित सिस्टम और फ्रंटलाइन जहाजों दोनों से लॉन्च करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो एक सार्वभौमिक वर्टिकल लॉन्च मॉड्यूल का उपयोग करता है, जो इसके परिचालन लचीलेपन को और बढ़ाता है। इसे मोबाइल ग्राउंड-आधारित सिस्टम और फ्रंटलाइन जहाजों दोनों से लॉन्च करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, एक सार्वभौमिक वर्टिकल लॉन्च मॉड्यूल का उपयोग करके, जो इसके परिचालन लचीलेपन को और बढ़ाता है। यह मिसाइल की बहुमुखी प्रतिभा और सटीकता को प्रदर्शित करते हुए विभिन्न गति और ऊंचाई पर उड़ान भरते हुए जटिल युद्धाभ्यास करने में भी सक्षम है।

लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल अत्याधुनिक एवियोनिक्स और सॉफ्टवेयर से लैस है जो इसके प्रदर्शन और विश्वसनीयता को बढ़ाता है। ये मिसाइलें आमतौर पर सबसोनिक होती हैं और इलाके से सटे उड़ान पथों का अनुसरण कर सकती हैं, जिससे उन्हें पता लगाना और रोकना मुश्किल हो जाता है, इस प्रकार दुश्मन की सुरक्षा में भेदने में रणनीतिक लाभ मिलता है। इसे बेंगलुरु में डीआरडीओ के वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान द्वारा विकसित किया गया है, लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं और भारतीय उद्योगों के बीच सहयोग का परिणाम है। रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने पहले एलआरएलएसीएम को एक मिशन मोड प्रोजेक्ट के रूप में मंजूरी दी थी, जिसे स्वीकृति की आवश्यकता (एओएन) प्रक्रिया के तहत मंजूरी दी गई थी। मिसाइल के सफल परीक्षण को भारत की रक्षा क्षमताओं को आगे बढ़ाने में एक महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर माना जाता है, विशेष रूप से लंबी दूरी के सटीक हमलों के क्षेत्र में।

यह मिसाइल एक रक्षा अधिग्रहण परिषद द्वारा स्वीकृत मिशन मोड प्रोजेक्ट है जो स्वीकृति की आवश्यकता (एनओएन) के तहत है, जो इसके रणनीतिक महत्त्व पर ज़ोर देता है। 1,000 किलोमीटर से अधिक की योजनाबद्ध सीमा के साथ, यह मिसाइल भारतीय सशस्त्र बलों, विशेष रूप से नौसेना को अपनी समुद्री-स्किमिंग क्षमताओं के साथ महत्त्वपूर्ण ताकत देगी।

भारत के रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल का पहला उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक किया। ओडिशा के चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) में आयोजित पहला परीक्षण एक मोबाइल आर्टिकुलेटेड लॉन्चर से किया गया और यह एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि थी, क्योंकि मिसाइल ने योजना के अनुसार प्रदर्शन किया और सभी प्राथमिक मिशन लक्ष्यों को पूरा किया। परीक्षण के दौरान, लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल पर रडार, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम और इसके उड़ान पथ के साथ लगाए गए प्लेटफॉर्म और इसे संचालित करने वाले कर्मियों को नुक़सान से सुरक्षित रखा जा सकता है। ये मिसाइलें आमतौर पर सबसोनिक होती हैं और भूभाग से सटे उड़ान पथों का अनुसरण कर सकती हैं, जिससे उनका पता लगाना और अवरोधन करना कठिन हो जाता है, इस प्रकार दुश्मन की सुरक्षा को भेदने में रणनीतिक लाभ मिलता है।

लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल के अन्य उदाहरणों में यूएस टॉमहॉक और रूस की कैलिबर शामिल हैं, दोनों ही सटीक, लंबी दूरी के हमलों में अपने उपयोग के लिए जाने जाते हैं। बेंगलूरु में डीआरडीओ के एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट (एडीए) द्वारा विकसित, लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल पूरी तरह से स्वदेशी परियोजना है। कुछ सेंसर और एक्सेलेरोमीटर को छोड़कर मिसाइल के सभी घटक स्थानीय रूप से सोर्स किए गए हैं। हैदराबाद में भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) और बेंगलूरु में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने मिसाइल के एकीकरण और तैनाती में योगदान देते हुए विकास-सह-उत्पादन भागीदारों के रूप में सहयोग किया है। जमीन-आधारित और नौसैनिक तैनाती दोनों के लिए डिज़ाइन की गई, लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल को यूनिवर्सल वर्टिकल लॉन्च मॉड्यूल (यूवीएलएम) का उपयोग करके मोबाइल ग्राउंड प्लेटफ़ॉर्म और जहाजों से लॉन्च किया जा सकता है, यह एक सिस्टम है जिसे ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा पेटेंट किया गया है और यह पहले से ही 30 भारतीय नौसेना के जहाजों पर चालू है।

यह मिसाइल एक रक्षा अधिग्रहण परिषद द्वारा स्वीकृत मिशन मोड प्रोजेक्ट है जो स्वीकृति की आवश्यकता (एनओएन) के तहत है, जो इसके रणनीतिक महत्त्व पर ज़ोर देता है। 1,000 किलोमीटर से अधिक की योजनाबद्ध सीमा के साथ, यह मिसाइल भारतीय सशस्त्र बलों, विशेष रूप से नौसेना को अपनी समुद्री-स्किमिंग क्षमताओं के साथ महत्त्वपूर्ण ताकत देगी। मिसाइल के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए लगभग 20 अतिरिक्त परीक्षण उड़ानों की योजना बनाई गई है, जिसमें स्वदेशी रेडियो-फ्रीक्वेंसी सीकर के माध्यम से टर्मिनल होमिंग भी शामिल है। सूत्रों के अनुसार, डीआरडीओ द्वारा मिसाइल के परीक्षण पूरे होने के बाद, भारतीय नौसेना लगभग 5, 000 करोड़ रुपये की क़ीमत की लगभग 200 लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल का ऑर्डर दे सकती है। लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल रक्षा अधिग्रहण परिषद द्वारा अनुमोदित, एओएन द्वारा स्वीकृत मिशन मोड परियोजना है, जिसके सेवा में प्रवेश के लिए एक निर्धारित समय-सीमा है।

नजरिया

क्यों टला वक्फ बोर्ड संशोधन बिल?

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

वक्फ संशोधन बिल को अब कुछ दिनों के लिए टाल दिया गया है। बताया जाता है कि वक्फ बोर्ड संशोधन बिल पर भाजपा को सहयोगियों का साथ नहीं मिलता दिख रहा है। यही वजह है कि भाजपा के सांसद निशिकांत दुबे ने खुद इस मामले को अभी शांत रखने का प्रस्ताव दिया है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने संसद में संयुक्त संसदीय समिति का कार्यकाल बढ़ाने का प्रस्ताव रखा है। पहले सरकार इस बिल को मौजूदा शीतकालीन सत्र में लाने की तैयारी थी। जे सी पी के अध्यक्ष जगदंबिका पाल इस प्रस्ताव को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के पास भेजेंगे।निशिकांत दुबे ने अपने प्रस्ताव में कहा कि समिति को और वक्त मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि समिति को अपनी रिपोर्ट संसद के बजट सत्र के पहले सप्ताह में सौंपनी चाहिए। बता दें कि वक्फ बिल की समीक्षा के लिए गठित जेसीपी का कामकाज शुरू से ही सुचारू नहीं रहा। हर बैठक में दोनों पक्षों के बीच काफी हंगामा और तीखी बहस होती रही है। मोदी सरकार का दावा है कि इस बिल के पास हो जाने के बाद वक्फ बोर्ड की शक्तियां पहले के तुलना में और पारदर्शी हो जाएंगी। हालांकि, इसके बाद भी भाजपा को अपने सहयोगियों का भी समर्थन नहीं मिल रहा है।

इसी कारण शायद वक्फ संशोधन बिल को अब कुछ दिनों के लिए टाल दिया गया है। इसे अब अगले साल (2025) बजट सेशन में पेश किया जा सकता है। पहले इस बिल को मौजूदा सत्र में ही लाने की तैयारी थी, लेकिन जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी की बैठकों में लगातार बढ़ते विवादों के चलते इसे टालना पड़ा। कांग्रेस के अनुसार तो ये फैसला विपक्ष की ओर से बढ़ते विरोध के चलते लिया गया। कांग्रेस ने इसे सरकार का एक और यू टर्न बताया है। पर वक्फ बोर्ड बिल को लेकर जिस तरह का माहौल बन रहा है उससे लगता है कि सरकार कुछ और सोच रही है। जिस तरह पिछले दिनों भाजपा के मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि बाबा साहब अंबेडकर द्वारा हमें दिए गए संविधान में वक्फ कानून के लिए कोई जगह नहीं है, लेकिन कांग्रेस ने अपना वोट बैंक बढ़ाने के लिए इसका समर्थन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि 2014 में कांग्रेस का शासन खत्म होने से पहले पार्टी ने दिल्ली के पास की कई संपत्तियां वक्फ बोर्ड को सौंप दी थीं। जिस तरह मोदी ने स्पेशली दिल्ली का नाम लिया उससे लगता है कि सरकार इसे अगले विधानसभा चुनावों में बड़ा मुद्दा बनाने वाली है। इसके साथ ही जिस तरह भारतीय जनता पार्टी से जुड़े हजारों लोग अचानक इस बिल को लेकर सक्रिय हुए हैं वो कुछ और इशारा करता है। बहुत बड़ी संख्या में अचानक लोग यह कहने लगे हैं कि वक्फ बोर्ड बिल में संशोधन नहीं वक्फ बोर्ड को ही खत्म कर दिया जाना चाहिए। यह सब देखकर यही नहीं लगता है कि वक्फ बोर्ड संशोधन का दायरा और बड़ा किया जा सकता है? क्या वक्फ बोर्ड को मृतप्राय करने की तैयारी है?

इधर आज खबर आई कि सरकार ने वक्फ बोर्ड बिल पर यू टर्न ले लिया है। और आज ही सुबह प्रधानमंत्री मोदी के संसदीय क्षेत्र बनारस से खबर आई कि वहां के एक 115 साल पुराने 500 एकड़ पर निर्मित अति प्रतिष्ठित उत्तरप्रदेश कॉलेज को वक्फ बोर्ड ने अपनी जमीन घोषित कर दिया है। उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ के एक प्रसिद्ध मंदिर को भी इसी महीने वक्फ बोर्ड ने अपनी जमीन घोषित करके वहां बाउंड्री वॉल से घेरने का काम शुरू किया है। इन दोनों मुद्दों ने सोशल मीडिया पर आग लगा रखी है। पूर्व राज्यसभा सदस्य हरनाथ सिंह यादव ने एक्स पर लिखा कि अब तो हद हो गई, 115 साल पुराने उत्तर प्रदेश के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित, वाराणसी के उदयप्रताप कॉलेज पर वक्फ बोर्ड का दावा। 500 एकड़ में फैले उत्तरप्रदेश कॉलेज में 20 हजार छात्र पढ़ते हैं। वक्फ बोर्ड और विस्फोटक जनसंख्या वृद्धि इस्लामीकरण स्थापित करने का सबसे बड़ा साधन बन गया है। त्वरित शल्य क्रिया अपरिहार्य है।

इसी तरह हिंदू हितों की बात करने वाली एक और नेता साध्वी प्राची ने वक्फ बोर्ड को तुरंत प्रभाव से खत्म करने की बात की है। एक्स पर कुछ लोग प्रश्नोत्तरी भी चला रहे हैं कि वक्फ बोर्ड बिल संशोधित होना चाहिए या वक्फ बोर्ड को ही खत्म कर देना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कह ही चुके हैं कि संविधान में वक्फ की कोई जगह नहीं है।

जाहिर है कि जिसे कांग्रेस भारतीय जनता पार्टी सरकार का यू टर्न समझ रही है वो सरकार का मेगा प्लान है। भाजपा की इस गुगली को कांग्रेस समझ नहीं पा रही है या जानबूझकर खुश होने का नाटक कर रही है। पर मामला इतना आसान दिखता नहीं है। भारतीय जनता पार्टी अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण कराकर समझ चुकी है किसी भी समस्या के समाधान हो जाने के बाद वह मुद्दा खत्म हो जाता है। अगर राम मंदिर बनने में कोई समस्या रह गई होती तो हो सकता था कि लोकसभा चुनावों में कम से कम उत्तर प्रदेश में तो भाजपा की दुर्गति नहीं हुई होती। भाजपा यह जानती है कि वक्फ बोर्ड का मुद्दा अभी तो आम लोगों तक पहुंचा नहीं है। अभी केवल मीडिया और सोशल मीडिया पर ही हाइप है। जैसे जैसे मंदिर, स्कूल, कॉलेज और कॉलोनियों पर वक्फ बोर्ड का दावा बढ़ता जा रहा है वैसे वैसे वक्फ बोर्ड को लेकर लोगों के बीच में जागरूकता बढ़ती जा रही है। बिना जनता के जागरूक हुए कानून बन गया तो भारतीय जनता पार्टी इस मुद्दे का राजनीतिक फायदा नहीं उठा पाएगी। कभी यही काम कांग्रेस किया करती थी। मुद्दे को जीवित रखना है और कभी समाधान नहीं करना है। दिल्ली और बिहार में अगले साल विधानसभा चुनाव है। तब तक वक्फ बोर्ड को लेकर बहुत सी बहसें होंगी, वक्फ बोर्ड बहुत सी जमीनों पर कब्जे की कोशिश करेगा। गंगा और यमुना में वक्फ बोर्ड को लेकर जितना पानी बहेगा इन राज्यों में भाजपा के लिए उतना ही खाद पानी तैयार होगा।

भोजूबीर तहसील सदर के रहने वाले वसीम अहमद खान ने रजिस्ट्री पत्र भेजकर ये बताया कि उत्तरप्रदेश कॉलेज छोटी मस्जिद नवाब टोंक की संपत्ति है जिसे नवाब साहब ने छोटी मस्जिद को वक्फ कर दिया था। लिहाजा ये वक्फ की संपत्ति है और इसे नियंत्रण में लिया जाना चाहिए। अगर 15 दिन के अंदर कॉलेज प्रबंधन की तरफ से अगर कोई जवाब नहीं दिया गया तो आपकी आपत्ति फिर नहीं सुनी जाएगी। इस पर जवाब देते हुए उत्तरप्रदेश कॉलेज शिक्षा समिति के तत्कालीन सचिव यूएन सिन्हा ने 21 दिसंबर को कहा था कि उदय प्रताप कॉलेज की स्थापना 1909 में चैरिटेबल एंडाउमेंट एक्ट के तहत हुआ था। इस पूरे मामले पर उदय प्रताप कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. डीके सिंह ने बताया कि उत्तरप्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड की तरफ से उत्तरप्रदेश कॉलेज में मौजूद एक मजार की तरफ से एक नोटिस भिजवाई गई थी कि उत्तरप्रदेश कॉलेज की जमीन उत्तरप्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड की है, जिस पर तत्कालीन सचिव ने जवाब भी भेज दिया था कि यह जमीन एंडाउमेंट ट्रस्ट की है। न तो जमीन खरीदी जा सकती है और न ही बेची जा सकती है और किसी भी प्रकार का मालिकाना हक भी है तो समाप्त हो जाता है। यह किसी अवांछनीय तत्व की हरकत है जो इस जमीन को उत्तरप्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड की जमीन बता रहा है।

उन्होंने बताया कि जवाब दे देने के बाद से ही बोर्ड की तरफ से किसी भी तरह का आगे पत्र व्यवहार नहीं किया गया था। लेकिन इधर बीच वे कुछ निर्माण कार्य मस्जिद में कराना चाहते थे, जिसपर हमने एक्शन लिया और निर्माण सामग्री भी पुलिस के सहयोग से हटवा दी था। उन्होंने बताया कि 2022 में पुलिस को भी सूचित कर दिया था कि कोई भी निर्माण कार्य नहीं हो सकता है। प्रिंसिपल प्रो। डीके सिंह ने बताया कि मजार की बिजली भी कटवा दी क्योंकि मजार पर बिजली कॉलेज से ही अवैध रूप से चोरी करके जलाई जाती थी। उन्होंने बताया कि बोर्ड ने उस वक्त नोटिस भेजकर प्रयास किया था, लेकिन तत्कालीन प्राचार्य और सचिव ने सक्रियता से इसका जवाब दिया था।

दावा करने वाले वाराणसी के भोजूबीर के रहने वाले वसीम अहमद खान का पिछले साल 75 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया था। 2022 में वसीम अहमद ने वक्फ बोर्ड को ये भी बता दिया था कि उनकी तबियत ठीक नहीं रहती। लिहाजा वो इस मामले की पैरवी नहीं कर सकते। बताया जाता है कि 1857 के गदर में टोंक के नवाब को अंग्रेजों ने यहां नजरबंद किया था। उनके लोग उनकी वजह से यहां बस गए थे और नवाब साहब ने अपने लोगों के लिए बड़ी मस्जिद और छोटी मस्जिद बनवाई थी। उत्तरप्रदेश कॉलेज के परिसर में छोटी मस्जिद है। मुस्लिम समुदाय से जुड़े लोग खुद सवाल कर रहे हैं कि सरकार वक्फ बोर्ड कानून में संशोधन क्यों नहीं कर रही है? बोर्ड में सिर्फ शक्तिशाली लोग ही शामिल हैं। भ्रष्टाचार के आरोप भी लगाए जा रहे हैं। पारदर्शिता के लिए व्यवस्था किए जाने की मांग की जा रही है। उत्तरप्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री और भाजपा नेता मोहसिन रजा कहते हैं कि पूरे देश और समाज की मांग थी कि ऐसा कानून आना चाहिए। वक्फ बोर्ड ने 1995 के कानून का बहुत दुरुपयोग किया है। वक्फ बोर्डों ने निरंकुश होकर अपनी शक्तियों का गलत इस्तेमाल किया है। अगर कोई संपत्ति गलत ढंग से वक्फ संपत्ति में दर्ज हो गई तो उसको कैसे निकाला जाएगा। वक्त बोर्ड कोई अदालत नहीं है जो फैसला करे कि वक्फ की संपत्ति कौन सी है और कौन सी नहीं है। निर्णय लेने का अधिकार हमारे अधिकारियों को है। यह संशोधन इसीलिए लाया जा रहा है कि अगर कोई शिकायत है तो उसकी सुनवाई हमारे अधिकारी करेंगे और अधिकारी बताएंगे कि वक्फ बोर्ड क्या कार्रवाई करे। अमूमन लोग अपनी शिकायत लेकर वक्फ बोर्ड जाते हैं तो उनको न्याय नहीं मिल पाता है। वक्फ बोर्ड अपनी निरंकुश शक्तियों से ऊपर उठकर काम कर रहे हैं। मोदी सरकार का यह फैसला स्वागत योग्य है, इससे तमाम लोगों को बहुत फायदा मिलेगा।

मोहसिन रजा कहते हैं कि वक्फ गरीब दबे कुचले मुसलमानों के लिए चैरिटी है लेकिन वक्फ बोर्ड कहता है कि हमारे पास कोई पैसा नहीं है। हमारी कोई आमदनी नहीं है। इनके पास करोड़ों की संपत्तियां हैं तो फिर वो संपत्तियां कहां हैं। इसी को लेकर यह संशोधन एक्ट लाया जा रहा है। कई बार कोई भी संपत्ति को सर्वे के आधार पर ही वक्फ में दर्ज हो जाती है, जब उसके वंशज अपने पूर्वजों की संपत्ति को लेने के लिए दौड़ते हैं लेकिन वक्फ कहता है कि हमने सर्वे रिपोर्ट पर वक्फ प्रॉपर्टी में दर्ज किया है, लेकिन उनके पास कोई दस्तावेज नहीं है। ना उनके पास वकफनामा होता है। ना ही वसीयतनामा। यह लोग अपनी शक्तियों का दुरुपयोग कर ऐसे तमाम संपत्तियों पर लोगों को परेशान करते हैं जिसको लेकर ही जनता के हित में संशोधन लाया जा रहा है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

गर्म झरनों में मौजूद खनिजों से धरती पर जीवन की शुरुआत का पता चला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिडनी। सबसे बड़े वैज्ञानिक रहस्यों में से एक यह है कि पृथ्वी पर जीवन की शुरुआत कहां से हुई। शोध में अक्सर गहरे समुद्र में हाइड्रोथर्मल वेंट की भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया जाता है–समुद्र तल पर स्थित वे ऊंची संरचनाएं जो लगातार कार्बनिक और अकार्बनिक पदार्थों का मिश्रण बाहर निकालती रहती हैं।

इनमें आयरन सल्फाइड नामक खनिज होते हैं, जिनके बारे में वैज्ञानिकों का मानना है कि इनसे जीवन आरंभ करने वाली शुरुआती रासायनिक प्रतिक्रियाओं को बढ़ाने में मदद मिली होगी। ये वही खनिज हैं जो आज गर्म झरनों में भी पाए जाते हैं, जैसे कि अमेरिका के येलोस्टोन नेशनल पार्क में ग्रेंड प्रिज़मैटिक स्प्रिंग। गर्म झरने पृथ्वी की सतह के नीचे ज्वालामुखी गतिविधि द्वारा गर्म भूजल से निकलते हैं।

हमारा नया शोध इस बात के छोटे लेकिन बढ़ते प्रमाणों में शामिल है कि इन गर्म झरनों के प्राचीन संस्करणों ने पृथ्वी पर जीवन के उद्भव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई होगी। यह उन प्रतिस्पर्धी परिकल्पनाओं के बीच की खाई को पाटने में मदद करता है, जहां जीवन का उद्भव हो सकता है। कार्बन फिक्सेशन वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा कोई जीव हवा में मौजूद और पानी में घुली कार्बन डाइऑक्साइड को कार्बनिक अणुओं में बदल देते हैं।

पौधे, बैक्टीरिया और आर्किया के नाम से जाने जाने वाले सूक्ष्मजीवों सहित कई जीव रूपों में इसे प्राप्त करने के लिए अलग–अलग रास्ते हैं। प्रकाश संश्लेषण इसका एक उदाहरण है।

इनमें से प्रत्येक तरीके में एंजाइम और प्रोटीन का एक झरना होता है, जिनमें से कुछ में लोहे और सल्फर से बने कोर होते हैं। हम सभी प्रकार के जीवन में इन लौह–सल्फर समूहों वाले प्रोटीन पा सकते हैं। वास्तव में, शोधकर्ताओं का कहना है कि वे अंतिम सार्वभौमिक सामान्य पूर्वज–एक प्राचीन पैतृक कोशिका से जुड़े हैं, जिससे जीवन विकसित हुआ और विविधतापूर्ण हुआ।

लौह सल्फाइड वे खनिज हैं जो तब बनते हैं जब घुला हुआ लोहा हाइड्रोजन सल्फाइड के साथ प्रतिक्रिया करता है–हाइड्रोजन सल्फाइड एक ज्वालामुखीय गैस है जो गर्म झरनों को सड़े हुए अंडे की तरह गंध देती है। लौह सल्फाइड और कार्बन फिक्सेशन के बीच इस संबंध से कुछ शोधकर्ताओं की यह राय है कि इन खनिजों ने प्रारंभिक पृथ्वी भू–रसायन विज्ञान से लेकर जीव विज्ञान तक के संक्रमण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

हमारा नया प्रकाशित शोध प्राचीन भूमि–आधारित गर्म झरनों में लौह सल्फाइड की रासायनिक गतिविधि की जांच करके इस ज्ञान का विस्तार करता है, जिसमें गहरे समुद्र के झरनों के समान भू–रसायन विज्ञान है।

हमने एक छोटा कक्ष तैयार किया जो हमें प्रारंभिक पृथ्वी पर गर्म पानी के झरने के वातावरण का अनुकरण करने में मदद करेगा। फिर हमने संश्लेषित आयरन सल्फाइड के नमूनों को कक्ष में फैलाया। कुछ शुद्ध थे। अन्य को गर्म झरनों में आम तौर पर पाए जाने वाले अन्य धातुओं के साथ मिलाया गया। इन नमूनों के ऊपर एक लैंप ने पृथ्वी की प्रारंभिक सतह पर सूर्य के प्रकाश की नकल की। अलग–अलग मात्रा में पराबैंगनी विकिरण के साथ प्रकाश की नकल करने के लिए अलग–अलग लैंप का इस्तेमाल किया गया।

अरबपति मलेशियाई उद्यमी आनंद कृष्णन का 86 वर्ष की आयु में निधन

कुआलालंपुर/एपी

मलेशिया के सबसे अमीर लोगों में शामिल दूरसंचार, मीडिया, पेट्रोलियम और रियल इस्टेट उद्यमी आनंद कृष्णन का निधन हो गया। वह 86 वर्ष के थे। कृष्णन की निवेश कंपनी उसाहा टेगास ने बताया कि उनका बृहस्पतिवार को निधन हो गया और उनके परिवार ने लोगों से निजता का सम्मान करने का अनुरोध किया है। बयान में निधन का कारण नहीं बताया गया। इसके अनुसार, ''आनंद ने राष्ट्र निर्माण और कॉर्पोरेट जगत में बड़ा योगदान दिया है। उनके परोपकार के कार्यों ने कई लोगों की जिंदगियों को प्रभावित किया है।'' फोर्ब्स पत्रिका ने आनंद को मलेशिया का छठा सबसे अमीर व्यक्ति बताया था जिनकी कुल संपदा 5.1 अरब डॉलर की है।

एक अप्रैल, 1938 को जन्मे आनंद ने हार्वड बिजनेस स्कूल से स्नातक की पढ़ाई की थी। उन्होंने तेल व्यापार से अपना करियर शुरू किया और फिर अन्य क्षेत्रों में भी व्यापार को बढ़ाया। दूरसंचार कंपनियों मैक्सिस, मीडिया कंपनी एस्ट्रो, उपग्रह सेवा कंपनी मीसेट और तेल सेवा प्रदाता कंपनी बूमी आर्मदा समेत अन्य कंपनियों में उनकी हिस्सेदारी थी।

स्थानीय मीडिया के अनुसार आनंद ने 1980 और 1990 के दशकों में अपनी संपदा का विस्तार किया था और तत्कालीन प्रधानमंत्री महाथिर मोहम्मद के करीबी थे। राष्ट्रीय समाचार एजेंसी बरनामा ने शुक्रवार को अपनी खबर में बताया कि उन्होंने ही महाथिर को 88 मंजिला पेट्रोनस ट्विट टॉवर बनाने का विचार सुझाया था। आनंद ने मलेशिया में शिक्षा, कला, खेल में दान देने के साथ अनेक मानवीय सहायता कार्य किए।

'एज' अखबार के अनुसार 2018 में भारतीय अधिकारियों ने उन्हें उच्च पदस्थ सरकारी अधिकारियों से जुड़े एक हाई–प्रोफाइल भ्रष्टाचार घोटाले से जोड़ा था। भारत में उनके और उनके पूर्व सहायक राल्फ मार्शल के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए थे, लेकिन न तो उन्हें गिरफ्तार किया गया और न ही आरोपों का सामना करने के लिए प्रत्यर्पित किया गया। स्थानीय मीडिया के अनुसार आनंद इतने धनवान और सफल होने के बावजूद खबरों से दूर रहते थे। वह मलेशिया और फ्रांस के बीच यात्रा करते रहते थे।

वह फ्रांस में ही अपनी पत्नी के साथ रहते थे। आनंद का इकलौता बेटा थाइलैंड में बौद्ध भिक्षु है। उनकी दो बेटियां उनके कारोबार से नहीं जुड़ीं। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने आनंद को श्रद्धांजलि देते हुए कहा, ''कॉर्पोरेट जगत, परोपकार कार्यों और समाज में उनका योगदान निश्चित रूप से याद रखा जाएगा।''

एक ही फ्रेम में कैद हुए 'हाउसफुल 5' के सितारे

मुंबई/एजेन्सी

कई सितारों से सजी कॉमेडी–ड्रामा फिल्म 'हाउसफुल 5' के रिलीज को लेकर दर्शक खासे उत्साहित हैं। इस बीच एक तस्वीर सामने आई है, जिसमें फिल्म के सभी सितारे एक साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। साजिद नाडियावाला के प्रोडक्शन हाउस साजिदवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट ने सितारों से भरी तस्वीर को ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल से शेयर कर प्रशंसकों को फिल्म के बारे में अपडेट दिया है। कैप्शन में लिखा है, हमारे सिनेमाई सफर के शेड्यूल पर काम जारी है, शेड्यूल खत्म होने को है! शेयर की गई तस्वीर में अक्षय कुमार, जैकलीन फर्नांडिज, श्रेयस तलपड़े, दिशा पटानी के साथ ही अन्य सितारे तस्वीर में नजर आ रहे हैं।

प्रोडक्शन हाउस ने हिंट देते हुए बताया कि फिल्म अब रिलीज होने में ज्यादा दिन नहीं है क्योंकि शेड्यूल अंतिम दौर में चल रहा है। 'हाउसफुल 5' साजिद नाडियावाला के हाउसफुल सीरीज की पांचवी फिल्म है। सीरीज की पिछली हर फिल्म हिट रही और दर्शकों का मनोरंजन करने में सफल रही। दर्शक इस बार भी अगली फिल्म के रिलीज को लेकर बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मस्ती, मनोरंजन, कॉमेडी के साथ थोड़ा एक्शन का पुट भी इस बार दर्शकों को मिलना है।

जानकारी के अनुसार, फिल्म की शूटिंग दुनिया के कई हिस्सों में की गई है। 'हाउसफुल 5' के कलाकारों की लिस्ट पर नजर डालें तो फिल्म में अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, श्रेयस तलपड़े, अभिषेक बच्चन के साथ जैकलीन फर्नांडिज नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, चित्रांगदा सिंह, सौंदर्या शर्मा समेत अन्य कई शानदार सितारे हैं। तरुण मनसुखानी के निर्देशन में तैयार फिल्म 6 जून 2025 को सिनेमाघरों में आएगी।

समोआ तट के पास न्यूजीलैंड नौसेना का जहाज चालक दल की गलतियों के कारण डूबा था

वेलिंगटन (न्यूजीलैंड)/एपी। समोआ के तट के पास न्यूजीलैंड की नौसेना के जहाज के एक चट्टान से टकराने के बाद उसमें आग लगने और उसके डूबने की घटना को लेकर की गई जांच में सामने आया कि यह हादसा चालक दल के सदस्यों की गलतियों के कारण हुआ। शुक्रवार को जारी की गई सेना की 'कोर्ट ऑफ इंक्वायरी' में इसकी पुष्टि की गई है।

जांच की पहली रिपोर्ट के निष्कर्ष में कहा गया कि जहाज के चालक दल को यह एहसास नहीं हुआ कि जहाज स्वचालित स्थिति में था, उन्हें लगा कि जहाज में कुछ और गड़बड़ है और चूंकि जहाज जमीन की ओर बढ़ रहा था ऐसे में उन्होंने यह भी नहीं जांचा कि नौसेना का जहाज 'एचएमएनजेडएस मनावनुई' मैन्युअल था या नहीं। पूरी रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई है। घटना अक्टूबर की है जब उपोलू, समोआ के तट से लगभग 1.6 किलोमीटर (एक मील) दूर नौसेना का जहाज डूब गया। हालांकि उस पर सवार सभी 75 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। इस जहाज के डूब जाने के बाद न्यूजीलैंड की नौसेना के पास सिर्फ आठ जहाज रह गए हैं।

घटना के समय अधिकारी जहाज के डूबने का कारण पता नहीं लगा पाए थे जिसके बाद नौसेना प्रमुख रियर एडमिरल गारिन गोल्डिंग ने जांच के लिए 'कोर्ट ऑफ इंक्वायरी' का आदेश दिया।

गोल्डिंग ने शुक्रवार को ऑकलैंड में संवाददाताओं से कहा, सीधे तौर पर जहाज के डूबने का कारण मानवीय त्रुटियां थीं। स्थिति को देखते हुए जहाज को स्वचालित स्थिति से हटा देना चाहिए था लेकिन ऐसा नहीं किया गया। चालक दल को पैनल पर देखना चाहिए था कि स्क्रीन पर स्वचालित स्थिति दिख रही है या नहीं। उन्होंने कहा कि चालक दल को लगा कि ''थ्रस्टर के खराब होने के कारण जहाज संचालित नहीं हो पा रहा है।

उपराष्ट्रपति पर महाभियोग चलाना समय की बर्बादी है : मार्कोस

मनीला/एपी। फिलीपीन के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें जान से मारने की सार्वजनिक रूप से धमकी देने के बाद से कानूनी संकट में घिरीं उपराष्ट्रपति सारा दुतेर्ते के खिलाफ महाभियोग की शिकायत दर्ज करने से संसद के समय की बर्बादी होगी।

कई समूह दुतेर्ते के खिलाफ महाभियोग की शिकायत दर्ज कराने की योजना बना रहे हैं। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि राष्ट्रपति की इस टिप्पणी के बाद इन योजनाओं को रोक दिया जाएगा या नहीं। गोपनीय सरकारी धन का दुरुपयोग करने के आरोपों और राष्ट्रपति, उनकी पत्नी एवं प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष को हाल में दी गई सार्वजनिक धमकी के कारण दुतेर्ते संकट में घिर गई हैं।

दुतेर्ते ने कहा था कि यदि वह स्वयं किसी साजिश में मारी गईं तो राष्ट्रपति, उनकी पत्नी और प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष को भी मरवा दिया जाएगा। उन्होंने साजिश का विस्तृत विवरण नहीं दिया था।

मार्कोस ने इस राजनीतिक टकराव को ज्यादा तवज्जो नहीं देने की कोशिश करते हुए संवाददाताओं से कहा, यह बेकार का हंगामा है। उन्होंने महाभियोग के बारे में कहा, यह महत्वपूर्ण नहीं है। इससे फिलीपीन के एक भी व्यक्ति के जीवन पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2' को सेंसर बोर्ड ने किया पास

मुंबई/एजेन्सी

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म 'पुष्पा 2' की रिलीज को लेकर देश भर में दर्शकों का उत्साह चरम पर है। अभिनेता ने सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़ी एक अपडेट प्रशंसकों के साथ शेयर की है। फिल्म को सेंसर बोर्ड ने पास कर दिया है। अल्लू अर्जुन ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर अपकमिंग मोस्ट अवेटेड फिल्म का एक पोस्टर शेयर कर सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट मिलने की जानकारी दी है। अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, यह अ/व है। फिल्म के पोस्टर में दमदार अभिनेता 'पुष्पा' के अपने धांसू अंदाज में नजर आ रहे हैं। यह खबर जैसे ही प्रशंसकों को मिली तो उनका उत्साह काफी बढ़ गया। फिल्म आगामी 6 दिसंबर को सिनेमाघरों आएगी। इसके हर अपडेट पर 'पुष्पा' के फैंस नजरें गड़ाए बैठे हैं। फिल्म के नए अपडेट को लेकर प्रशंसकों ने अल्लू अर्जुन के पोस्ट पर जमकर कमेंट्स किए। एक फैन ने लिखा, मजेदार, इंतजार था। एक अन्य ने लिखा, सिनेमाघरों में आ रहा है पुष्पा। दूसरे ने लिखा, सुपर अल्लू सर जी।

'पुष्पा 2: द रूल' का ट्रेलर हाल ही में पटना के गांधी मैदान में लॉन्च हुआ था। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में प्रशंसकों का उत्साह देखने लायक था। लाखों की संख्या में गांधी मैदान में जुटी प्रशंसकों की भीड़ अपने 'श्रीवल्ली' और 'पुष्पा' की एक झलक पाने को बेकरार दिखी। प्रशंसकों की भीड़ में से कुछ मैदान में लगे टावर पर चढ़ गए तो कुछ जोर–जोर से अपने सुपरस्टार के लिए चिल्लाते भी नजर आए। हाई–वोल्टेज एक्शन–ड्रामा में इस बार काफी कुछ नया देखने को मिलेगा।

अभिनेत्री सोहा अली खान और सागरिका घाटगे शुक्रवार, को मुंबई में मोहा स्टैंड ऑन योर फीट (सोयफ) अभियान के ग्रैंड शोकेस में शामिल हुई।

'द राणा दग्गुबाती शो' में श्रीलीला ने अपने बॉलीवुड डेब्यू के बारे में दिया बड़ा हिंट

मुंबई/एजेन्सी

प्राइम वीडियो के 'द राणा दग्गुबाती शो' में अभिनेत्री श्रीलीला ने अपने बॉलीवुड डेब्यू के बारे में राणा दुग्गुबाती और सिद्धु जोंनालगड्डा को बड़ा हिंट दिया है। पहले एपिसोड की शानदार सफलता के बाद, प्राइम वीडियो द राणा दग्गुबाती शो का मच अवेटेड दूसरा एपिसोड लेकर आया है, जिसमें चार्मिंग सिद्धार्थ जोंनालगड्डा, जिन्हें सिद्धु के नाम से भी जाना जाता है, और एनर्जेटिक श्रीलीला एक दिलचस्प और खुलकर बात करने वाले एपिसोड में माहौल जमाते नजर आएंगे। इस एपिसोड में मजेदार बातचीत, हंसी से भरपूर पल और उनके पर्सनल से लेकर प्रोफेशनल लाइफ के बारे में खास चर्चाएं देखने मिलेगी। यह आम टॉक–शोज से हटकर है, जिसकी वजह से यह दर्शकों के लिए एक शानदार अनुभव बन गया है।

सिद्धु और राणा, श्रीलीला के आने वाले प्रोजेक्टस, खासकर उनके बॉलीवुड डेब्यू को लेकर काफी उत्सुक थे। हालांकि, श्रीलीला ने इन सवालों को टालने की कोशिश की और ज्यादा कुछ नहीं बताया क्योंकि इस बारे में ऑफिशियल तौर पर घोषणा होनी अभी बाकी है। राणा के जोर देने पर आखिरकार श्रीलीला ने माना, हां, यह सच है। यह मेरा पहली बार बॉलीवुड में काम करने का मौका होगा। यह एक नया और अलग अनुभव है। हाल ही में, श्रीलीला ने अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 के धमाकेदार डांस नंबर किसिक में अपनी शानदार परफॉर्मेंस से सबका ध्यान खींचा है। अब फैंस बेसब्री से उनके बॉलीवुड डेब्यू का इंतजार कर रहे हैं। राणा ने चुटकी लेते हुए पूछा, मैं जहां भी शादी में जाता हूं, वहां तुम्हें और तुम्हारी मां को देखता हूं। मेरे कजिन भी तुम्हें बहन बुलाते हैं। आखिर चल क्या रहा है? श्रीलीला ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, हम ओंगोल के हैं, जो करमचेड़ आपके (राणा) होम टाउन के पास है। हम वहां संक्रांति के लिए अक्सर जाते थे।

राणा दग्गुबाती द्वारा निर्मित, होस्ट और एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूस की गई 'द राणा दग्गुबाती शो' एक अनस्क्रिप्टेड तेलुगु ओरिजिनल सीरीज है, जिसमें कुल आठ एपिसोड हैं। इस शो में दुलकर सलमान, नागा चैतन्य अक्किनेनी, सिद्धु जोनालगड्डा, श्रीलीला, नानी, एस.एस. राजामौली, राम गोपाल वर्मा जैसे कई शानदार मेहमान शामिल हैं।हर शनिवार को नया एपिसोड आने वाले इस शो का दूसरा एपिसोड 30 नवंबर, शनिवार को प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम किया जाएगा। यह शो भारत और 240 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में उपलब्ध है।

फिल्म 'मुझे मेरी बीवी से बचाओ' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता अरविंद अकेला कल्लू, मणि भट्टाचार्य और रक्षा गुप्ता स्टारर फिल्म मुझे मेरी बीवी से बचाओ का का ट्रेलर इंटर 10 रंगीला के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज हो गया है।

रेनू विजय फिल्म्स एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी फिल्म मुझे मेरी बीवी से बचाओ के निर्माता विनय सिंह, डॉ. संदीप उज्ज्वल और सुशांत उज्ज्वल हैं। फिल्म का निर्देशन राज किशोर प्रसाद (राजू) ने किया है। निर्देशक राज किशोर प्रसाद (राजू) ने बताया कि मुझे मेरी बीवी से बचाओ एक पारिवारिक मनोरंजक फिल्म है, जिसमें हास्य और भावनाओं का शानदार मिश्रण है। उन्होंने कहा, यह फिल्म हर वर्ग के दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाई गई है।

कहानी में ऐसे मजेदार मोड़ हैं, जो दर्शकों को हंसाने के साथ–साथ सोचने पर भी मजबूर करेंगे। फिल्म की पूरी कास्ट और क्रू ने इस प्रोजेक्ट को जीवंत बनाने के लिए जी–जान से मेहनत की है।हमने फिल्म की कहानी को दर्शकों से जोड़ने की कोशिश की है। इसका निर्देशन एक ऐसी शैली में किया गया है, जो हर दर्शक को आकर्षित करेगा।

हमारे पास बेहतरीन कलाकारों के साथ एक मजबूत तकनीकी टीम भी है, जिसने फिल्म को उच्च गुणवत्ता का बनाया है। उम्मीद है कि मुझे मेरी बीवी से बचाओ दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाएगी और यह फिल्म उन्हें हंसी और खुशी से भर देगी। फिल्म मुझे मेरी बीवी से बचाओ में अरविंद अकेला कल्लू मुख्य भूमिका में हैं, जबकि मणि भट्टाचार्य और रक्षा गुप्ता उनकी सह–कलाकार हैं। माया यादव, रोहित सिंह मटरू और अन्य कलाकारों ने भी अहम भूमिकाएं निभाई हैं। इस फिल्म के लेखक सुरेंद्र मिश्रा और विवेक मिश्रा हैं। संगीतकार ओम झा है, जबकि गीतकार प्यारेलाल यादव और सुरेंद्र मिश्रा हैं। छायांकन समीर सैयद और संकलन गुर्जट सिंह ने किया है।

बेस्टसेलर 'द किडनी स्कैम' का निर्माण करेंगी प्रभलीन संधू

मुंबई/एजेन्सी

प्रभलीन संधू आगामी फिल्म बेस्टसेलर: द किडनी स्कैम का निर्माण करेंगी। वास्तविक घटनाओं से प्रेरित, फिल्म बेस्टसेलर द किडनी स्कैम भारत के सबसे बड़े मानव अंग तस्करी रैकेट के उजागर होने की दिलचस्प सच्ची घटनाओं को उजागर पर आधारित है। प्रभलीन संधू इस फिल्म का निर्माण करेंगी। फिल्म बेस्टसेलर: द किडनी स्कैम की कहानी तीन युवा मेडिकल कॉलेज के छात्रों की है, जिन्हें सड़क के बीच में एक गरीब रिक्शा चालक मिलता है, जिसके घाव गहरे हैं। उन्हें नहीं पता था कि वे भारत के सबसे बड़े किडनी घोटाले का भंडाफोड़ करने वाले हैं। गरीब पीड़ितों की मदद करने के लिए, कीर्ति, राहुल और गुरकीरत अपने कॉलेज के अधिकारियों, प्रमुख डॉक्टरों और यहां तक ङ्कङ्कि राजनेताओं से भी संपर्क करते हैं। जब उनमें से किसी से भी मदद की कोई उम्मीद नहीं होती है, तो उन्हें आखिरकार एक साहसी वकील से मदद मिलती है। अपनी जान को खतरे में डालने, सबूतों को गायब करने और अपने परिवारों पर मंडराते खतरे के बीच, क्या वे अंत तक लड़ने का साहस कर पाएंगे? क्या एक कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी उन्हें इस मुश्किल घड़ी से बाहर निकालने में मदद करेगा यह देखना काफी रोचक होगा। प्रभलीन संधू ने कहा, यह हाल के समय की सबसे प्रासंगिक, महत्वपूर्ण और डरावनी कहानियों में से एक है जो सच्ची घटनाओं पर आधारित है। हम ऑलमाइटी मोशन पिक्चर में इस महत्वपूर्ण पुस्तक को प्राप्त करने के लिए उत्साहित हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | शनिवार | 30-11-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान(सीआईआईएल) के शास्त्रीय कन्नड़ अध्ययन उत्कृष्टता केंद्र (सीईएससीके) द्वारा कन्नड़ राज्योत्सव-नित्योत्सव का आयोजन किया। इस मौके पर निदेशक शैलेन्द्र मोहन ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि यह कार्यक्रम कर्नाटक की संस्कृति और भाषा के सार को दर्शाता है।

आचार्यश्री हेमवल्लभसूरीश्वर ने पूरे किए 9999 आयंबिल तप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन आचार्यश्री हेमवल्लभसूरीश्वरजी ने आजीवन आयंबिल तप करने की भीष्म प्रतिज्ञा ली है। गुजरात के वढवाण शहर में विराजित आचार्यश्री हेमवल्लभसूरीश्वरजी का शुक्रवार को 9999 आयंबिल तप पूर्ण हुआ जो कि अपने आप में एक रिकार्ड है। आयंबिल तप में साधक बिना मसाले, घी, तेल से बना मिठाई रहित भोजन दिन में एक बार करता है।

जैन धर्म में यह आयंबिल तप बहुत महान माना गया है। बेंगलूरु सहित देश के विभिन्न जैन संघों में उनके आयंबिल तप अनुमोदनार्थ अनेक तप व अनुमोदना कार्यक्रम आयोजित किए गए।

बीएचईएल ने व्यावसायिक उत्कृष्टता के लिए सीआईआई-एग्जिम बैंक पुरस्कार 2024 जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सतत उत्कृष्टता के अपने ट्रैक रिकॉर्ड की पुष्टि करते हुए, भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने लगातार दूसरी वर्ष व्यावसायिक उत्कृष्टता के लिए प्रतिष्ठित सीआईआई-एक्जिम बैंक पुरस्कार 2024 जीता है। यह पुरस्कार उत्कृष्टता, विविधता और गतिशील व्यावसायिक परिदृश्य के अनुकूल होने की क्षमता के प्रति कंपनी की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। सीआईआई एक्जिम बैंक पुरस्कार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यूरोपीय फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट के उत्कृष्टता मॉडल पर आधारित है।

बीएचईएल की हरिद्वार इकाई ने प्रतिष्ठित सीआईआई एक्जिम बैंक पुरस्कार जीता है। इसके साथ ही, भोपाल, हैदराबाद, झाँसी, रानीपेट और प्रोजेक्ट इंजीनियरिंग मैनेजमेंट इकाइयों/प्रभागों को प्लेटिनम सम्मान मिला है। यह पुरस्कार ईआरएण्डडी के निदेशक जेपी श्रीवास्तव ने कॉर्पोरेट गुणवत्ता और संबंधित प्रभागों की टीमों के साथ 27 नवंबर को बेंगलूरु में आयोजित 32वें सीआईआई उत्कृष्टता शिखर सम्मेलन में प्राप्त किए।

बेंगलूरु स्कूल ने छात्रों के लिए बनाई बांस की साइकिलें

बेंगलूरु। शहर के वर्तुर में द ग्रीन स्कूल (टीजीएसबी) ने पर्यावरण के लिए एक अनोखी पहल के तहत अपने छात्रों के लिए बांस की साइकिलें बनाई हैं। टीजीएसबी की संस्थापक एवं प्रिंसिपल उषा अय्यर ने बताया बांस में बहुत अधिक तन्य शक्ति होती है और बांस की साइकिलें 20 से 30 साल तक चल सकती हैं। भारत के पहले शून्य कार्बन स्कूल के रूप में, हमने यह पर्यावरण-अनुकूल पहल की और बांस की व्यवहार्यता का पता लगाने के लिए बांस से बनी लगभग 6 साइकिलें बनाईं। तीन दिवसीय बैम्बू 4 बेंगलूरु पहल का उद्घाटन कर्नाटक क; वन, पर्यावरण और पारिस्थितिकी विभाग के मंत्री ईश्वर खांड़े ने किया। उन्होंने स्कूल परिसर में टीजीएसबी के कक्षा 8 और 9 के छात्रों के साथ बांस की साइकिल चलाई। मंत्री ने स्कूल की इस पहल की सराहना की। खांड़े ने कहा कि यह छात्रों को प्रकृति के करीब लाने का एक शानदार तरीका है।

इस अवसर पर छात्रों और अभिभावकों सहित सभी प्रतिभागियों को बांस के पौधे वितरित किये गये। प्रत्येक प्राप्तकर्ता को अपने आवासीय क्षेत्रों या ज़रूरत वाले अन्य स्थानों पर बांस लगाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस पहल का उद्देश्य समुदाय के भीतर बांस की खेती और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देना है। यह हर किसी को हरित स्थानों में योगदान करने का व्यावहारिक अवसर प्रदान करता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गीत

चमन में रहें ख़ुशबू की तरह

मेरे लहू का रंग है तेरे लहू की तरह,
क्यों न हम मिलके चमन में रहें ख़ुशबू की तरह।

एक पहिए से नहीं चलती गाड़ी जीवन की,
सिर्फ इक गुल से नहीं बढ़ती शोभा उपवन की,
रखें सँभाल के इस हुनर को आबरू की तरह।

दोष अपना न थोपें मिथ्या रहबरों पे कभी,
करें एतबार न उड़ती हुईं ख़बरों पे कभी,
मिलके गाते रहें इक स्वर में घुँघरू की तरह।

कोई मंदिर हो या मस्जिद या हो गुरुद्वारा,
चाहे वो हो किसी के घर का घोर अँधियारा,
रौशनी देते रहें हम सदा जुगनू की तरह।

साँस चलती है तो खूँ दौड़ता है रग-रग में,
कुछ भी पा सकते हैं हम करके परिश्रम जग में,
वक़्त बर्बाद न करें यूँ ही घुमंतू की तरह।

■ माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'
मो.9424141875

मैसूरु के सीआईआईएल में कन्नड़ राज्योत्सव-नित्योत्सव समारोह का हुआ शुभारंभ

वर्ष भर आयोजित होंगी संबंधित वेबीनार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान(सीआईआईएल) के शास्त्रीय कन्नड़ अध्ययन उत्कृष्टता केंद्र (सीईएससीके) द्वारा कन्नड़ राज्योत्सव-नित्योत्सव का आयोजन किया। इस मौके पर निदेशक शैलेन्द्र मोहन ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि यह कार्यक्रम कर्नाटक की संस्कृति और भाषा के सार को दर्शाता है। उन्होंने साल भर चलने वाली दूरदर्शी वेबिनार श्रृंखला के लिए सीईएससीके की प्रशंसा की, जिसमें 52 प्रतिष्ठित विद्वान शास्त्रीय कन्नड़ अध्ययन के विभिन्न विषयों पर चर्चा करेंगे। इस पहल को क्षेत्र की भाषाई विरासत के संरक्षण और विकास की प्रतिबद्धता के प्रमाण के रूप में देखा जाता है। प्रो मोहन ने सीआईआईएल के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला, जो भारतीय भाषाओं के विकास का समर्थन करना जारी रखता है। उन्होंने बताया कि सीआईआईएल के तहत सीईएससीके 22 शोध पुस्तकें जारी करने के लिए तैयार है, जिन्हें सीईएससीके के अकादमिक फेलोऔर बाहरी विद्वानों द्वारा प्रकाशित किया जाएगा, जो कन्नड़ साहित्य के लिए एक मील का पत्थर है।

समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. मैसूर विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर शुभचंद्र ने देश पर शासन करने वाले शाही परिवारों के बारे में बात करते हुए कन्नड़ में उनकी सेवाओं और योगदान के बारे में बताया। उन्होंने आगे कहा, कन्नड़ के साथ-साथ गैर-कन्नड़ कवियों और लेखकों का कन्नड़ में योगदान बहुत बड़ा है। उन्होंने विभिन्न कन्नड़ साहित्यकारों के योगदान को याद करते हुए कहा कि कन्नड़वासियों को कन्नड़ भाषा, संस्कृति की वृद्धि और विकास के लिए प्रतिबद्धता दिखानी चाहिए। सीआईआईएल के परियोजना निदेशक एनएम तलवार ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि कन्नड़ राज्योत्सव-नित्योत्सव का विचार सिर्फ एक अवधारणा नहीं है अपितु यह एक वास्तविकता है। कन्नड़ केवल नित्य ही नहीं अपितु यह सत्य भी है। सीआईआईएल में शास्त्रीय भाषाओं के समन्वयक डॉ एलआर प्रेम कुमार ने सभी को धन्यवाद दिया।कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने उत्सव के तहत आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों और देशी खेलों की प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार और पट्टिकाएं प्रदान की।

निशुल्क रक्तदान शिविर में 49 यूनिट रक्त का हुआ संग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मानव सेवा कार्यों में अग्रणी संस्था कर्नाटक मारवाड़ी यूथ फेडरेशन एवं संकल्प इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में जिगनी स्थित सुप्रजित इंजिनियरिंग परिसर में आयोजित निशुल्क रक्तदान शिविर में 49 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस मौके पर रक्तदानदाताओं को प्रमाण पत्र दिया गया तथा आयोजकों का सम्मान किया गया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन कम्पनी के प्रबंध निदेशक अमितकुमार ने किया। शिविर में प्रभाकर, शिविर संयोजक राहुल मेहता, विशाल लुणावत, सौमी दत्ता आदि उपस्थित थे। फेडरेशन के उपाध्यक्ष प्रशान्त सिंघी ने बताया कि एकत्रित रक्त थैलिसिमया से पीड़ित बच्चों के इलाज के उपयोग में लिया जाएगा।

कार्यशाला में स्कूली बच्चों ने सोशल मीडिया के सही उपयोग के बारे में जाना

तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर ने आयोजित की कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना के तहत बच्चों में सदसंस्कारों के सींचन हेतु संस्कारशाला के आखिरी चरण में 'सोशल मीडिया का सही उपयोग' विषय पर कार्यशाला का आयोजन मालगाला स्थित गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल में किया। अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अणुव्रत विश्व भारती सोसाइटी के राष्ट्रीय संगठन मंत्री राजेश चावत ने बच्चों को मेडिटेशन का प्रयोग करवाते हुए बच्चों को सोशल मीडिया की उपयोगिता के विषय में बताते हुए कहा कि मोबाइल व कंप्यूटर इत्यादि हमारे लिए बहुत उपयोगी है, इसे हमें नई-नई जानकारियां प्राप्त होती है, पढ़ने लिखने के लिए नई-नई सामग्रियां उपलब्ध होती है तथा इसके द्वारा हम विभिन्न माध्यमों से पैसे की कमाई भी कर सकते हैं। लेकिन इसके अत्याधिक उपयोग से बचना चाहिए क्योंकि यह हमारे शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालता है। उन्होंने बच्चों को भोजन करते, सोते समय या वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग कभी भी नहीं करनी की शपथ दिलवाई। संस्कारशाला की संयोजिका एवं नेशनल ट्रेनर रक्षा मांडोत ने 90 स्कूली बच्चों से विभिन्न रचनात्मक गतिविधियां करवाई। महिमा पटावारी बच्चों को योगिक क्रियाएं करवाई। मंडल द्वारा स्कूल में बच्चों के लिए आउटडोर गेम्स जैसे फुटबॉल वॉलीबॉल के लिए विभिन्न सामग्री व उपहार दिए गए। मंत्री दीपिका गोखरू ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में सहमंत्री ललिता डागा, प्रचारप्रसार मंत्री सरिता छाजेड़, संगठन मंत्री अनिता जीरावला एवं स्कूल के शिक्षकों की भी उपस्थिति रही।

भाजपा की कर्नाटक इकाई में दरार

रेणुकाचार्य गुट ने यतनाल को निष्कासित करने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में भाजपा के पूर्व विधायकों के एक समूह ने एमपी रेणुकाचार्य के नेतृत्व में शुक्रवार को पार्टी आलाकमान से आग्रह किया कि वरिष्ठ विधायक बासनगौड़ा पाटिल यतनाल को प्रदेश प्रमुख विजयेंद्र येडीयुरप्पा की खुलकर आलोचना करने के लिए निष्कासित कर दिया जाए। इस मुद्दे पर समान विचार रखने वाले कुछ पार्टी नेताओं के साथ रेणुकाचार्य ने कहा कि उनकी योजना आगामी दिनों में दावनगेरे में एक विशाल रैली करने की है जिसमें शक्ति प्रदर्शन किये जाने की उम्मीद है। रेणुकाचार्य के नेतृत्व वाले गुट में के सुब्रमण्य नायडू, हरतल हलप्पा, रूपाली नाइक, बासवराज दादेसुगुर सहित अन्य शामिल हैं जो विजयेंद्र के समर्थक हैं। रेणुकाचार्य के नेतृत्व वाले गुट की योजना राज्य के विभिन्न हिस्सों का दौरा करने की है जिनमें मंदिर भी शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि यात्रा का उद्देश्य यतनाल और उनके धड़े का मुकाबला करना है। इस दौरान विजयेंद्र और उनके पिता बीएस येडीयुरप्पा के समर्थन में पार्टी कार्यकर्ताओं को एकजुट किया जाएगा। वरिष्ठ विधायक यतनाल के नेतृत्व में पार्टी नेताओं का एक गुट प्रदेश नेतृत्व, विशेष रूप से विजयेंद्र की आलोचना करता रहा है। इनमें विधायक रमेश जरकीहोली, बीपी हरीश और पूर्व विधायक अरविंद लिंबावली, कुमार बंगारप्पा तथा जीएम सिद्धेश्वर सहित अन्य शामिल हैं। वे वक्फ मुद्दे पर हाल में पार्टी द्वारा आयोजित प्रदर्शनों से दूरी बनाते हुए इस सिलसिले में समानांतर आंदोलन कर रहे हैं। यतनाल और जरकीहोली, विजयेंद्र की खुलकर आलोचना करते रहे हैं। उन्होंने विजयेंद्र पर सत्तारूढ़ कांग्रेस के साथ ''समायोजन की राजनीति'' में लिप्त रहने का आरोप लगाया है। उन्होंने यह भी दावा किया है कि विजयेंद्र और उनके पिता येडीयुरप्पा पार्टी (भाजपा) को अपने नियंत्रण में रखने की कोशिश कर रहे हैं।

रेणुकाचार्य ने संवाददाताओं से बात करते हुए यतनाल को ''कांग्रेस का एजेंट'' बताया। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उप-मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच कई मतभेद हैं। हालांकि, वे बाहर इस बारे में नहीं बोलते लेकिन वह (यतनाल) अनावश्यक टकराव में शामिल हैं। पार्टी नेता और कार्यकर्ता इस तरह की ओछी बातों से हताश हैं, उन्हें यह बंद करना चाहिए। वह (भाजपा के) राष्ट्रीय स्तर के नेताओं से समर्थन मिलने का दावा करते हैं लेकिन नहीं बताते कि वे कौन हैं।

पूर्व विधायक ने यतनाल पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के निर्णयों पर सवाल उठाने तथा येदियुरप्पा एवं पार्टी नेतृत्व के खिलाफ बोलने का भी आरोप लगाया।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान और बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ शुक्रवार को बिहार के दरभंगा में क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम के दौरान।

कर्नाटक के विकास में हर संभव योगदान देना चाहिए : मुणोत

हम्पीनगर में आयोजित हुआ कन्नड़ राज्योत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हम्पीनगर में विभिन्न हिंदू संगठनों द्वारा कर्नाटक राज्योत्सव का आयोजन किया जिसमें विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। सस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेन्द्र मुणोत ने सभी को कन्नड़ राज्योत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमें कर्नाटकवासी होने पर गर्व होना चाहिए। हमारे जीवन में कन्नड़ माता, कावेरी जल का बहुत उपकार है। हमें सभी भाषाओं का सम्मान करना चाहिए। कर्नाटक हमारे कर्मभूमि है और हमें अपने कर्मभूमि कर्नाटक के विकास में हर संभव योगदान देना चाहिए।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com